दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K & K

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-117 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 14 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

असम में वायुसेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, पांच जवान शहीद, सह-पायलट घायल

जोरहाट,(आरएनएस)। असम से बड़ी दुर्घटना की खबर सामने आ रही है। यहां के जोरहाट स्थित रौरिया वायुसेना स्टेशन पर भारतीय वायुसेना का एक एएन -32 परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, वायुसेना स्टेशन परिसर के भीतर विमान की लैंडिंग के बाद उसमें आग लग। दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। वहीं, घटना में 5 जवान मारे गए हैं और सह पायलट को चोटें आई हैं, जिनका इलाज जारी है। वायुसेना ने कहा, असम के जोरहाट स्थित वायुसेना स्टेशन पर लैंडिंग के दौरान एक सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटनाग्रस्त विमान एएन -31 मालवाहक विमान था, जिसका इस्तेमाल आपूर्ति परिवहन के लिए किया जाता है। यह दुर्घटना विमान के वायुसेना अड्डे पर उतरने के प्रयास के दौरान हुई। आशंका है कि इस दुर्घटना में पायलट की जान चली गई होगी। घटनास्थल पर बचाव और जांच कार्य जारी है, इसलिए आगे की जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, विमान नियमित उड़ान पर था। इसी दौरान लैंडिंग के वक्त लैंडिंग स्ट्रिप पर लैंड नहीं कर सका और आसपास की उबड़-खाबड़ जगह पर चला गया। इसके बाद विमान जमीन से टकराया और उसमें आग लग गई। घटनास्थल से सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान के मलबे से धुंआ निकल रहा है। वहीं, घटना के बाद विमान के बीच में से 2 टुकड़े हो गए।एएन-32 का इस्तेमाल सैनिकों और सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में किया जाता है। ये एक साथ करीब 7 टन सामान और 40 सैनिकों को ले जा सकता है। बाढ़ या भूकंप जैसी आपदाओं के दौरान राहत अभियान में इसका इस्तेमाल होता है। ये पहाड़ों और दुर्गम इलाकों से भी आसानी से उड़ान भर सकता है। भारतीय वायुसेना ने 125 एएन-32 विमान खरीदे थे, जिनमें से 100 अभी भी सेवा में हैं।5 मार्च को असम के कार्बी आंगलोंग जिले में वायुसेना का एक सुखोई-30एमकेआई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान ने जोरहाट से उड़ान भरी थी और शाम लगभग 7 बजे चोकीहोला के पास निलिप ब्लॉक की पहाड़ियों में रडार से गायब हो गया था। रातभर चले अभियान के बाद अगले दिन विमान का मलबा मिला था। विमान में स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरागकर की मौत हो गई थी।

एमपी में शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर हलचल, कोर्ट के फैसले के बाद बढ़ी तैयारियां

भोपाल,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) को लेकर देश की सर्वोच्च अदालत के हालिया फैसले के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने परीक्षा के आयोजन को लेकर अपनी प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि इस परीक्षा का आयोजन आगामी जुलाई या अगस्त 2026 में किया जा सकता है, जिसमें राज्य भर के लगभग डेढ़ लाख से ज्यादा शिक्षकों के बैठने की संभावना है। इसी सिलसिले में लोक शिक्षण संचालनालय (DPI) के आयुक्त ने विभिन्न शिक्षक संघों के पदाधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की और उन्हें विश्वास दिलाया कि शिक्षकों की सुविधा के लिए परीक्षा से जुड़ी तमाम अध्ययन सामग्री इंटरनेट पर ऑनलाइन मुहैया कराई जाएगी, ताकि सभी शिक्षक बिना किसी व्यवधान के घर बैठे ही अपनी तैयारी पूरी कर सकें।

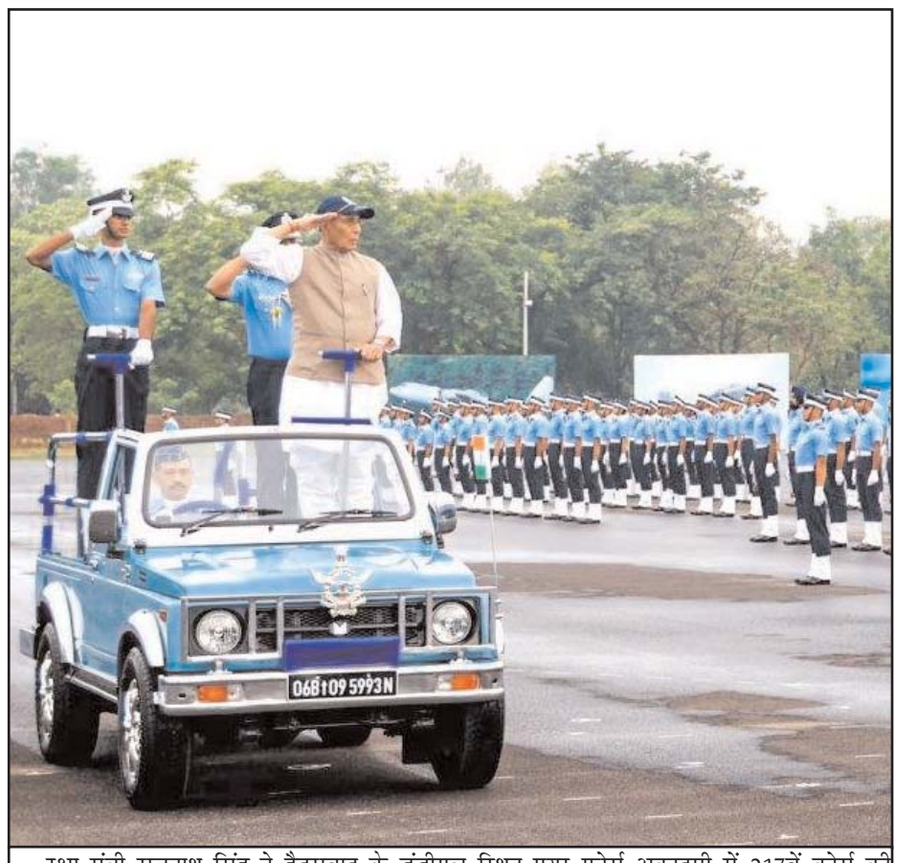

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हैदराबाद के डुंडीगल स्थित एयर फ़ोर्स अकादमी में 217वें कोर्स की कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड का निरीक्षण किया, जहाँ 231 फ़्लाइट कैडेट्स को भारतीय वायु सेना में कमीशन किया गया।

पिथौरागढ़ में बड़ा हादसा: पहाड़ी से गिरे बोल्डरों की चपेट में आई कार, 2 लोगों की थम गई सांसें

पिथौरागढ़ ,(आरएनएस)। जिले में एक दर्दनाक हादसा हो गया। जहां, पहाड़ी से गिरे बोल्डरों की चपेट में आने से एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में कार में सवार 2 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।यह पूरा मामला जिले के धारचूला थाना क्षेत्र का है। जहां एक कार में सवार पांच लोग अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे। इस दौरान उनकी कार जैसे ही दारमा मार्ग पर पहुंती तभी ऊपरी पहाड़ी से अचानक भरभराकर विशालकाय बोल्डर सीधे चलती कार के ऊपर गिर गई।

कोच्चि एयरपोर्ट पर एयर अरबिया विमान की इमरजेंसी लैंडिंग, फुल इमरजेंसी के बीच बाल-बाल बची 170 जानें!

एर्नाकुलम (केरल)(आरएनएस)। शारजाह से कोझिकोड जा रही एयर अरबिया की एक फ्लाइट को तकनीकी खराबी के कारण कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी. विमान के इंजन रिवर्स थ्रस्ट सिस्टम (गति कम करने वाली प्रणाली) में तकनीकी खराबी के कारण यह निर्णय लेना पड़ा. सीआईएएल के प्रवक्ता ने बताया कि विमान में सवार सभी 170 यात्री और चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं.कोझिकोड एयरपोर्ट के टेबलटॉप रनवे को देखते हुए, रिवर्स थ्रस्ट सिस्टम में खराबी एक बड़े हादसे का कारण बन सकती थी. यही वजह है कि अधिकारियों ने तुरंत फ्लाइट को सुरक्षित कोच्चि एयरपोर्ट की तरफ मोड़ दिया. जैसे ही पायलट से तकनीकी खराबी का संदेश मिला, नेदुम्बास्सेरी (कोच्चि) एयरपोर्ट पर हाई अलर्ट जारी कर दिया गया. सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए, सुबह 3:19 बजे एयरपोर्ट पर लोकल स्टैंडबाय (अलर्ट) घोषित किया गया।

जहाजों पर हमले को लेकर विदेश मंत्री जयशंकर ने मार्को रुबियो से की बात, जताया विरोध

नईदिल्ली,(आरएनएस)। ओमान की खाड़ी में जहाजों पर हुए हमलों में 3 भारतीयों के मौत के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो से बात की है। इस दौरान जयशंकर ने हमलों की निंदा करते हुए कड़ा विरोध जताया। विदेश मंत्री ने इसकी जानकारी देते हुए कहा, मैंने खाड़ी में अमेरिकी नौसेना के हमलों पर भारत का कड़ा विरोध दोहराया है। इसमें 3 भारतीय नाविक मारे गए। वाणिज्यिक जहाजों के खिलाफ ऐसी जानलेवा कार्रवाई सही नहीं है।घटना के बाद विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन और चार्ज डीअफेयर्स जेसन मीक्स को दूसरी बार तलब किया था। भारत ने वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों को बेहद चिंताजनक बताते हुए इस मुद्दे को अमेरिका के सामने सख्ती से उठाया था। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारतीय नाविकों की

जान को खतरे में डालने वाले ऐसे हमले पूरी तरह अस्वीकार्य हैं और वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की थी। 10 जून को एमटी सेत्तेबेल्लो नामक जहाज पर अमेरिकी नौसेना ने हमला किया था। इस जहाज पर कुल 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि 3 की मौत हो गई। मृतकों की पहचान हिमाचल प्रदेश के रहने वाले आदित्य शर्मा (23), विशाखापट्टनम के पन्नाला सुरेश (44) और उत्तर प्रदेश के रहने वाले शिवानंद चौरसिया (38) के रूप में हुई है। घटना के बाद संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) समेत कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने अमेरिकी कार्रवाई की आलोचना की है।

आईएमओ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग और समुद्र में काम करने वाले लोगों की सुरक्षा का हर हाल में सम्मान होना चाहिए। संगठन के महासचिव आर्सेनियो डोमिंग्वेज ने कहा कि ऐसी किसी भी कार्रवाई की कड़ी निंदा की जानी चाहिए जिससे नाविकों की जान को खतरा हो।अमेरिका ने इस हफ्ते ओमान की खाड़ी में ऐसे 3 जहाजों पर हमला किया है, जिसके चालक दल में भारतीय थे। पहला हमला 8 जून को एमटी मैरीवेक्स पर हुआ था।

अभिषेक बनर्जी के घर आधी रात को पहुंची पुलिस, 4 घंटे तलाशी ली; हुआ खूब हंगामा

कोलकाता(आरएनएस)। ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित घर पर रात 3 बजे कोलकाता पुलिस ने छापा मारा। इस दौरान केंद्रीय बलों के जवान भी पुलिस के साथ थे। पुलिस ने करीब 4 घंटे तक अभिषेक के घर की तलाशी ली। इसकी खबर लगते ही ममता बनर्जी भी अभिषेक के आवास पर पहुंची। बाद में अभिषेक ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने ताला तोड़कर जबरन घर में प्रवेश किया और परिसर की तलाशी ली।यह छापेमारी किस मामले में की गई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि पश्चिम मेदिनीपुर के सालबोनी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले को लेकर यह छापेमारी की गई।सूत्रों के हवाले से बताया कि मेदिनीपुर के पूर्व विधायक और जिला टीएमसी अध्यक्ष सुजॉय हाजरा की गिरफ्तारी और पूछताछ के बाद पुलिस टीम शुक्रवार रात को कोलकाता पहुंची और अभिषेक के आवास पर गई।टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने कहा, सुबह 3 बजे पुलिस अभिषेक के घर पहुंची। सुबह 5 बजे आपदा प्रबंधन टीम को ताले तोड़ने के लिए बुलाया गया। सुबह 6:30 बजे दूसरी मंजिल से छत तक तलाशी शुरू, 90 मिनट तक चली। नतीजा शून्य, कोई सबूत नहीं। कोई गलत काम नहीं। कुछ नहीं। सिर्फ राजनीतिक प्रतिशोध, धमकी और मानसिक प्रताड़ना। ऑपरेशन लोटस हर उस नेता को निशाना बना रहा है, जो भाजपा के सामने आत्मसमर्पण करने से इनकार करता है। एक अन्य घटनाक्रम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित नगरपालिका भर्ती घोटाले से जुड़े धन शोधन की जांच के तहत टीएमसी विधायक मदन मित्रा के ठिकानों पर छापा मारा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर जिले के केसली से करेंगे लाड़ली बहनों के खातों में राशि अंतरित

केसली में 190.85 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की देंगें सौगात लाड़ली बहना योजना की 37वीं किश्त की राशि का होगा अंतरण

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 14 जून को सागर जिले के केसली विकासखंड में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लाड़ली बहना योजना की 37 वीं किश्त लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित करेंगें। इसमें एक करोड़ 25 लाख बहनों के खातों में 1835 करोड़ रूपये अंतरित किये जायेंगे। साथ ही देवरी विधानसभा को लगभग 190.85 करोड़ रुपये की लागत के 53 विकास कार्यों की सौगात भी देंगे। इनमें 122.02 करोड़ रूपये की लागत के 28 कार्यों का भूमि-पूजन और 68.83 करोड़ रूपये की लागत के 25 कार्यों का लोकार्पण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव क्षेत्र के विकास को गति देने वाले सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, जल संसाधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा तकनीकी शिक्षा विभाग से संबंधित निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करेंगे। इन विकास कार्यों से देवरी एवं केसली विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध होंगी।

अजमेरा ग्रुप के पीड़ित निवेशकों को वापस मिलेंगे 8.41 करोड़ रुपए, PMLA कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, (आरएनएस)। विशेष न्यायालय (पीएमएलए) ने मेसर्स अजमेरा ग्रुप और अन्य के मामले में अपराध से प्राप्त धन (पीओसी) को उसके सही हकदारों को वापस दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बड़ी कार्रवाई की है. विशेष PMLA अदालत ने 8.41 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियां उनके वैध दावेदारों और पीड़ितों को लौटाने का आदेश दिया है. यह मामला सीधे तौर पर आम जनता के साथ की गई धोखाधड़ी से जुड़ा हुआ है.ईडी ने मामले में कई संपत्तियां अटैच कर अदालत में अभियोजन शिकायत दाखिल की थी. निवेशकों से ठगी गई मोटी रकम का इस्तेमाल अजमेरा ग्रुप के निदेशकों और दूसरे व्यक्तियों ने कई प्रॉपर्टीज खरीदने के लिए किया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की गरिमामई उपस्थिति में आईएमए की पासिंग आउट परेड सम्पन्न

- 481 भारतीय एवं 16 मित्र देशों के 34 विदेशी कैडेट बने सैन्य अधिकारी, 9 महिला कैडेटों ने रचा इतिहास

देहरादून,(आरएनएस)। देश की राष्ट्रपति एवं सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आज देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में आयोजित पासिंग आउट परेड (पीओपी) में मुख्य अतिथि एवं समीक्षा अधिकारी के रूप में शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने भारतीय सैन्य अकादमी के 158वें नियमित तथा 141वें तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम की भव्य पासिंग आउट परेड की समीक्षा की और नवप्रशिक्षित सैन्य अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने पास आउट होने वाले कैडेट्स को भारत माता की रक्षा के लिए कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सैन्य अधिकारी केवल देश की सीमाओं के प्रहरी ही नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास, सम्मान और आकांक्षाओं के भी संरक्षक हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि: इस वर्ष की पासिंग आउट परेड की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता 9 महिला कैडेटों का सफलतापूर्वक पास आउट होना रहा। भारतीय सैन्य अकादमी के इतिहास में यह एक ऐतिहासिक पड़ाव है, जो महिला-नेतृत्व वाले विकास तथा सशक्त भारत की अवधारणा को नई ऊर्जा प्रदान करता है। वैश्विक रक्षा सहयोग का सशक्त प्रतीक: परेड में 481 भारतीय कैडेटों के साथ 16 मित्र देशों के 34 विदेशी कैडेट भी पास आउट हुए। राष्ट्रपति ने इसे भारत की वैश्विक मित्रता, आपसी विश्वास तथा अंतरराष्ट्रीय रक्षा सहयोग के बढ़ते आयामों का प्रतीक बताया।भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का आह्वान: राष्ट्रपति ने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और तकनीकी प्रगति के इस दौर में भारतीय सेना को निरंतर नवाचार, आधुनिकता और अनुकूलनशीलता के साथ आगे बढ़ना होगा।

नौकरी से बर्खास्तगी सबसे बड़ी सजा, परिवार भी हो जाता है बर्बाद: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सेवा न्यायशास्त्र (सर्विस ज्यूरिसप्रूडेंस) में नौकरी से बर्खास्तगी सबसे गंभीर सजा है. इसका न केवल कर्मचारी पर बल्कि उनके आश्रितों पर भी बेहद बुरा असर पड़ता है. शीर्ष अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसा कोई भी जुर्माना या सजा लगाने से पहले अनुशासनात्मक प्राधिकरण को लापरवाही या कदाचार की प्रकृति और गंभीरता, सेवा की अवधि, पुराना रिकॉर्ड, उम्र और क्या नियोक्ता को कोई वित्तीय नुकसान हुआ है, जैसे कारकों पर सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए.जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन के सिंह की पीठ ने कहा कि नौकरी से बर्खास्तगी आमतौर पर वहीं सही मानी जाती है, जहां कदाचार (गलत व्यवहार या लापरवाही) इतना गंभीर हो कि कर्मचारी को नौकरी पर बनाए रखना पूरी तरह से अनुशासन, विश्वास या संस्था के कामकाज के खिलाफ हो. पीठ ने साफ किया कि भ्रष्टाचार, अवैध उगाही, नैतिक पतन, पैसों का गबन, नियोक्ता को भारी नुकसान पहुंचाने वाले काम, या नौकरी पर बने रहने के

लिए पूरी तरह से अयोग्यता दिखाने वाले मामलों का आधार अलग होता है.पीठ ने 11 जून के अपने फैसले में कहा, हालांकि, जहां कदाचार में भ्रष्टाचार, नैतिक पतन, वित्तीय गबन या नियोक्ता को हुआ कोई साबित नुकसान शामिल नहीं है, और जहां बिना किसी बड़े दाग के लंबी सेवा रही हो, वहां अनुशासनात्मक प्राधिकरण को सावधानीपूर्वक यह जांचना चाहिए कि क्या कोई कम सजा न्याय के उद्देश्यों को पूरा करेगी.शीर्ष अदालत ने ये टिप्पणियां महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के एक कर्मचारी को सेवा से बर्खास्त करने के 2017 के आदेश को रद्द करते हुए कीं।

पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता के खिलाफ साबित हुआ कदाचार (गलत व्यवहार) अनुशासनहीनता, आदेश न मानने (अवज्ञा) और उसके परिणामस्वरूप दस्तावेजों से छेड़छाड़ से जुड़ा है, और अदालत किसी कार्यालय या संस्थान में अनुशासन के महत्व को कम नहीं आंक रही है.पीठ ने आगे कहा, हालांकि, वर्तमान में सामने आई सामग्री से भ्रष्टाचार, अवैध उगाही, नैतिक पतन, फंड का गबन, नियोक्ता को साबित हुआ कोई वित्तीय नुकसान, सार्वजनिक घोटाला या संस्था की छवि को जनता के बीच बदनाम करने जैसा कोई आचरण नहीं दिखता है।

समान नागरिक संहिता पर जनसामान्य के सुझावों के अनुसार किया जाएगा नीति निर्माण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बेहतर नीति निर्माण के लिए बेहतर जनभागीदारी आवश्यक

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समान नागरिक संहिता के संबंध में नीति निर्माण जनसामान्य के सुझावों के आधार पर किया जाएगा। बेहतर नीति निर्माण के लिए बेहतर जनभागीदारी आवश्यक है। प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक संख्या सुझाव आमंत्रित करने के लिए सभी जिलों में जागरूकता अभियान चलाया जाए। नगरीय क्षेत्रों के साथ-साथ ग्राम स्तर तक नागरिकों को अपना अभिमत देने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। नगरीय स्तर पर स्कूल-कॉलेजों में गतिविधियां संचालित करें, सामाजिक-व्यापारिक संस्थाओं, बार कॉउंसिल आदि में चर्चा के सत्र आयोजित कर जनसामान्य से अपनी राय प्रकट करने के लिए कहा जाए। शासकीय अधिकारी-कर्मचारी भी समान नागरिक संहिता के संबंध में भी अपने सुझाव दें। ग्राम स्तर पर रोजगार सहायक, पंचायत सचिव आदि इस विषय पर चर्चा को प्रोत्साहित करें। इस संबंध में विशेष ग्राम सभा की बैठक भी आयोजित की जा सकती है। सभी जिला कलेक्टर इस गतिविधि को प्राथमिकता पर लें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश शनिवार को समान नागरिक संहिता जागरूकता अभियान पर जिला कलेक्टर्स की वीसी में दिए। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में आयोजित बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, अनुपम राजन और शिवशेखर शुक्ला उपस्थित थे।

वेबसाइट पर देना है सुझाव : सरल है प्रक्रिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समान नागरिक संहिता के बारे में 22 जून तक सुझाव आमंत्रित हैं। इसके लिए विशेष रूप से वेबसाइट ucc.mp.gov.in का विमोचन किया गया है, जिस पर सुझाव देने की प्रक्रिया बहुत सरल है। वेबसाइट के फॉर्म में केवल नाम, लिंग, धर्म, संभाग, जिला, पता और मोबाइल नंबर अंकित करना है। कुल 12 प्रश्नों का उत्तर हाँ या ना में दिया जाना है। मोबाइल ओटीपी से सत्यापित करने से सुझाव जमा हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस संबंध में जिला स्तर पर संचालित गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त की।

जागरूकता बढ़ाना आवश्यक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समान नागरिक संहिता के उद्देश्य और प्रक्रिया की जानकारी का विस्तार करने के लिए जनप्रतिनिधियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की जरूरत बताई। उन्होंने स्व-सहायता समूहों, महिला मंडलों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में विभिन्न व्यक्तिगत तथा पारिवारिक विधियों के अंतर्गत विवाह, विवाह-विच्छेद, भरण-पोषण, उत्तराधिकार आदि विषयों से संबंधित पृथक-पृथक प्रावधानों का समग्र परीक्षण कर विधिक संरचना विकसित करने की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए राज्य शासन द्वारा विषय के विधिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक पहलुओं का विस्तृत अध्ययन कर समान नागरिक संहिता के संबंध में अनुशंसाओं को प्रस्तुत करने के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा जिलों का भ्रमण कर लोगों को अपने सुझाव प्रेषित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

भोपाल में 2 बड़ी कार्रवाई...89 मकान-दुकानें हटाए..कजलीखेड़ा-छावनी पठार में 7.5 एकड़ में कब्जा; 8 करोड़ कीमत

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल में जिला प्रशासन ने शनिवार को अतिक्रमण हटाने की 2 बड़ी कार्रवाई की। जहां से अवैध रूप से बने कुल 89 मकान और दुकानें बुलडोजर की मदद से हटा दिए गए। कुल 7.5 एकड़ जमीन की कीमत 8 करोड़ रुपए से ज्यादा है। हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया की मौजूदगी में छावनी पठार में कार्रवाई की गई। यहां नेशनल हाईवे की जमीन पर सालों से कब्जा था। जिस पर 54 मकान और दुकानें बना दी गई थी।पुलिस की मौजूदगी में सुबह कार्रवाई शुरू की गई, जो दोपहर तक चली। इस दौरान जेसीबी की मदद से कच्चे-पक्के निर्माण जमींदोज कर दिए गए।मौके पर कुल ढाई एकड़ जमीन पर कब्जा सामने आया था। जिसकी बाजारू कीमत 5 करोड़ रुपए है। कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार का हंगामा न हो, इसलिए पुलिस बल तैनात रहा। इसके बाद कार्रवाई शुरू की गई।कोलार रोड स्थित कजलीखेड़ा में 5 एकड़ सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाया गया। दोपहर 12 बजे के बाद कार्रवाई की शुरुआत हुई। कजलीखेड़ा थाने के पुलिस बल की मौजूदगी में 35 मकानों को जमींदोज कर दिया गया। प्रशासन के अनुसार, कजलीखेड़ा में कई साल से सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा था। कई लोगों ने तो 4 से 5 हजार

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल में अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताओं का प्रथम दौर सफलतापूर्वक संपन्न

भोपाल (निप्र)। राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों में हिंदी में कार्य करने की रुचि विकसित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली त्रिस्तरीय हिंदी प्रतियोगिताओं के अंतर्गत सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल में तीन दिवसीय अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताएं-2026 के प्रथम दौर का सफल आयोजन किया गया।

मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाड़े के संरक्षण में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में कारखाना के तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए राजभाषा हिंदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और दक्षता का परिचय दिया।

प्रतियोगिताओं के प्रथम दिवस राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में सोशल मीडिया की भूमिका विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने विचारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया। द्वितीय दिवस कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदी टिप्पणी एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों ने प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के उपयोग संबंधी अपनी दक्षता का प्रदर्शन किया। तीसरे एवं अंतिम दिवस आयोजित हिंदी वाक् प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने वक्तृत्व कौशल, तार्किक क्षमता एवं

अभिव्यक्ति कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के मूल्यांकन हेतु गठित त्रिसदस्यीय निर्णायक मंडल में आर.के. उपाध्याय (एसएमटी), प्रशांत नरसिंहपुरकर (सहायक कार्य प्रबंधक) एवं राकेश कुमार रंगा (सहायक सामग्री प्रबंधक) शामिल रहे। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के ज्ञान, प्रस्तुतीकरण एवं तर्कशक्ति का सूक्ष्म मूल्यांकन कर क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए योग्य प्रतिभागियों का चयन किया। उल्लेखनीय है कि तीनों प्रतियोगिताओं में कारखाना के कुल 81 कर्मचारियों ने सहभागिता की। प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी क्षेत्रीय (मुख्यालय) स्तर पर कारखाना का प्रतिनिधित्व करेंगे तथा मुख्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी अखिल भारतीय स्तर (रेलवे बोर्ड स्तर) पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाड़े ने तीन दिवसीय प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों को बधाई दी तथा आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

एमपी टूरिज्म को कॉन्फ्रेंस मैनेजमेंट में उत्कृष्टता पुरस्कार

मुंबई में 10वें डेसेनियल एक्जीबिशन एक्सीलेंस अवार्ड्स 2026 में किया गया सम्मानित

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम ने इवेंट, एक्जीबिशन और माइस के प्रबंधन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। मुंबई के सिडको एक्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित प्रतिष्ठित 10वें डेसेनियल एक्जीबिशन एक्सीलेंस अवार्ड्स (EEA) 2026 में एमपी टूरिज्म को कॉन्फ्रेंस मैनेजमेंट में उत्कृष्टता (Excellence in Conference Management) का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है। यह पुरस्कार देश के इवेंट, एक्जीबिशन और माइस (MICE - मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंसिंग एंड एक्जीबिशन) सेक्टर के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक माना जाता है। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक दिलीप कुमार यादव ने टीम के साथ यह पुरस्कार ग्रहण किया। प्रबंध संचालक यादव ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार पर्यटन विकास निगम की प्रतिबद्धता, व्यावसायिकता और अद्वितीय टीम वर्क का परिणाम है। मध्यप्रदेश पर्यटन लगातार अपने इंफ्रास्ट्रक्चर, आतिथ्य सेवाओं और आयोजन क्षमताओं को विश्वस्तरीय बना रहा है। राज्य में अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर्स, बेहतरीन कनेक्टिविटी और बेमिसाल मेहमाननवाज़ी के कारण अब देश-विदेश के बड़े कॉर्पोरेट घराने और संगठन मध्यप्रदेश का रुख कर रहे हैं। महाप्रबंधक इवेंट्स विवेक जूड ने कहा कि पर्यटन निगम को यह राष्ट्रीय पुरस्कार राज्य में 20 से भी ज्यादा राष्ट्रीय और राज्य महत्व के बड़े सम्मेलनों के सफल प्रबंधन के लिए दिया गया है। निगम ने अपनी टीम के उत्कृष्ट प्रबंधन से M P Growth Summit 2025, M P Tech Growth Summit 2025, Regional AI Impact Summit 2025, Regional Industry and Employment Summit और Madhya Pradesh Mining Conclave जैसे बेहद महत्वपूर्ण और हाई-इम्पैक्ट सम्मेलनों का कुशलतापूर्वक संचालन किया है। यह राष्ट्रीय पुरस्कार न केवल पर्यटन निगम की कुशल प्रबंधन क्षमता को दर्शाता है, बल्कि यह अतुल्य भारत का दिल मध्यप्रदेश को बिजनेस टूरिज्म के क्षेत्र में एक अग्रणी ग्लोबल हब बनाने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा।

मानसून के दौरान भोपाल मंडल होकर होकर संचालित जबलपुर-कोयंबटूर स्पेशल ट्रेन की समय सारिणी कोंकण रेलवे में रहेगी परिवर्तित

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली गाड़ी संख्या 02198/02197 जबलपुर-कोयंबटूर-जबलपुर साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का मानसून के दौरान कोंकण रेलवे के क्षेत्राधिकार में आने वाले स्टेशनों के समय सारिणी में आंशिक परिवर्तन किया गया है। इस परिवर्तित मानसून समय सारिणी का संचालन दिनांक 19 जून 2026 से प्रत्येक शुक्रवार को जबलपुर से तथा दिनांक 15 जून 2026 से प्रत्येक सोमवार को कोयंबटूर से किया जायेगा। मानसून के दौरान यह स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवाड़ा, पिपरिया, इटारसी, हरदा, खण्डवा, भुसावल, नासिक रोड, पनवेल एवं रोहा स्टेशनों की समय सारिणी यथावत रहेगी यानि कोई बदलाव नहीं रहेगा। लेकिन कोंकण रेलवे के क्षेत्राधिकार में आने वाले दोनों दिशाओं के खेड़, चिपलुन, रत्नागिरी, कणकवली, कुडाल, थीवम, मडगाव जंक्शन, कारवार, कुमटा, मूकाम्बिका रोड, कुन्दापुरा, उडुपी, मुल्की, मंगलुरु जंक्शन, कासरगोड, कन्नूर, वडकरा, कोजीकोड, तिरूर, शोरनूर जंक्शन, पालक्काड जंक्शन (पालघाट) एवं कोयंबटूर जंक्शन रेलवे स्टेशनों के समय सारिणी में आंशिक परिवर्तन किया गया है। उल्लेखनीय है की गाड़ी सांख्य 02198 जबलपुर-कोयंबटूर साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन दिनांक 19 जून 2026 से 16 अक्टूबर 2026 तक (18 ट्रिप) प्रत्येक शुक्रवार को जबलपुर से रात्रि 23:50 बजे प्रस्थान करेगी। मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन रविवार को शाम 17:10 बजे कोयंबटूर जंक्शन स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी सांख्य 02197 कोयंबटूर-जबलपुर साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन दिनांक 15 जून 2026 से 19 अक्टूबर 2026 तक (19 ट्रिप) प्रत्येक सोमवार को कोयंबटूर से दोपहर 15:10 बजे प्रस्थान करेगी। मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन बुधवार को सुबह 08:45 बजे जबलपुर स्टेशन पहुंचेगी। उपर्युक्त स्पेशल ट्रेन के परिवर्तित समय एवं ठहराव की विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या एनटीईएस/रेलवन ऐप पर अवलोकन कर सकते हैं।

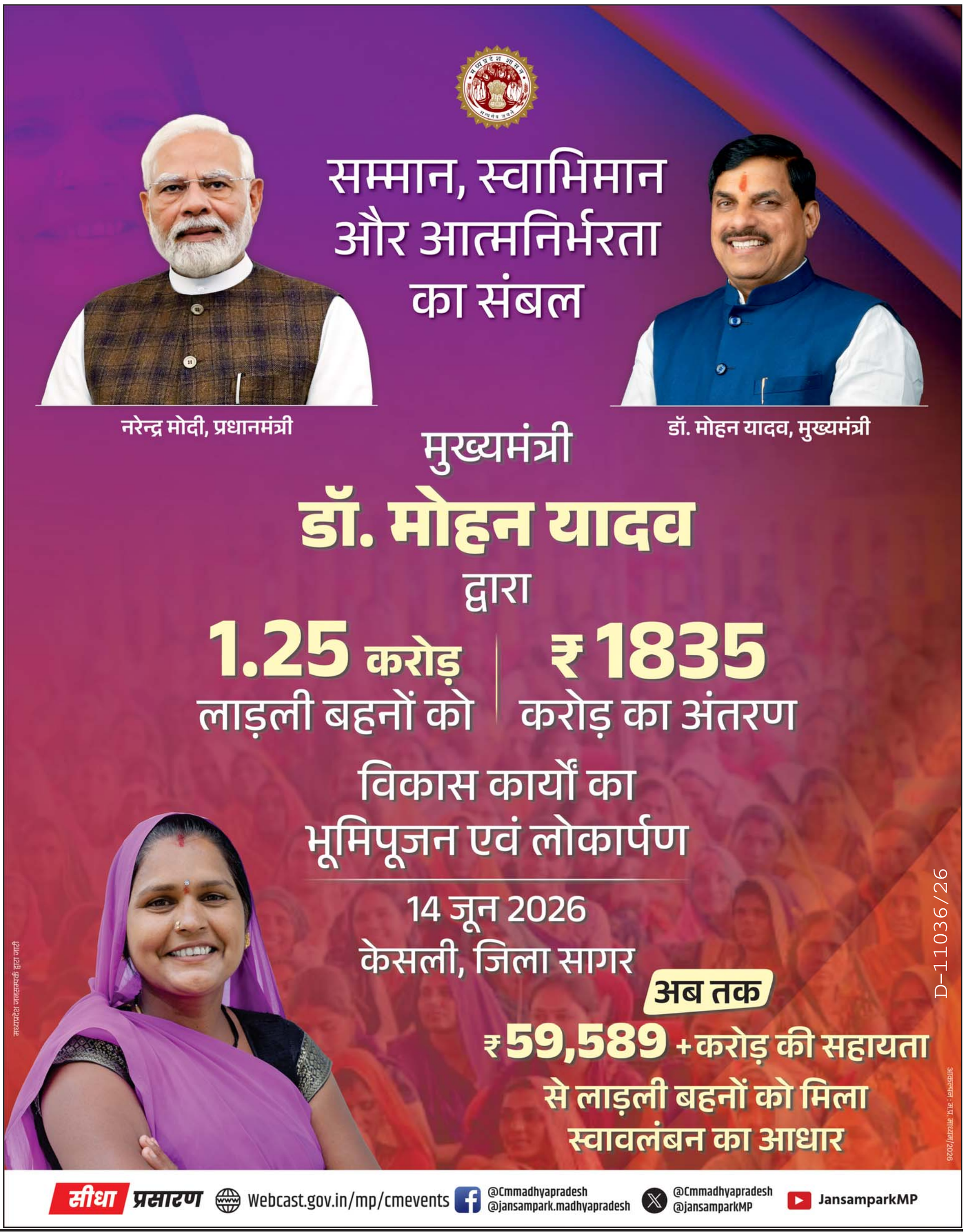

मंत्री परमार ने जमधड़ नदी में उतरकर किया श्रमदान, रोपे पौधे

- श्रमदान करते मंत्री व अन्य।

शाजापुर (ए.)। जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने और उनके संरक्षण के उद्देश्य से चलाए जा रहे जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत शनिवार को शुजालपुर की जमधड़ नदी में सफाई और गहरीकरण का बड़ा अभियान चलाया गया। इस मौके पर प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने स्वयं आगे आकर श्रमदान किया और जनभागीदारी की एक बेहतरीन मिसाल पेश की। मंत्री परमार ने पहले नदी के संरक्षण और संवर्धन के लिए चल रहे कार्यों का बारीकी से जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने खुद फावड़ा और तगारी उठाकर नदी के गहरीकरण और शुद्धिकरण कार्य में अपना पसीना बहाया। मंत्री को खुद श्रमदान करते देख वहां मौजूद स्थानीय लोगों का उत्साह भी दोगुना हो गया। श्रमदान के साथ-साथ पर्यावरण को सहेजने के लिए मंत्री परमार ने नदी के किनारे पौधारोपण भी किया। उन्होंने मौके पर मौजूद लोगों को संदेश दिया कि जल और पर्यावरण का संरक्षण केवल सरकार का काम नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अधिकारियों और आमजन ने भी बंटाया हाथ

मंत्री की इस पहल के बाद कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी पूरी ऊर्जा के साथ नदी की सफाई में अपना योगदान दिया। इस महत्वपूर्ण अभियान के दौरान शुजालपुर के अनुविभागीय अधिकारी सहित क्षेत्र के कई अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक विशेष रूप से मौजूद रहे।

ठेले पर सब्जी बेचने से सफल व्यवसायी बनने तक का सफर

स्वरोजगार योजनाओं ने बदली निखिल की जिंदगी

जबलपुर ,(ए.)। मेहनत, लगन और शासन की स्वरोजगार योजनाओं का सही उपयोग कर गोहलपुर निवासी निखिल कुशवाहा ने आत्मनिर्भरता की एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। कभी ठेले पर सब्जी बेचकर परिवार का भरण-पोषण करने वाले निखिल आज सफलतापूर्वक सब्जी और किराना व्यवसाय संचालित कर प्रतिमाह 25 से 30 हजार रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं।निखिल कुशवाहा ने अपने काम की शुरुआत ठेले पर सब्जी बेचने से की थी। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने कार्य को ईमानदारी और मेहनत के साथ आगे बढ़ाया। इसी दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की जानकारी मिली। उन्होंने योजना के अंतर्गत 10 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया, जिससे उनके व्यवसाय में प्रारंभिक सुधार आया और कारोबार को आगे बढ़ाने का आत्मविश्वास मिला।व्यवसाय विस्तार की सोच के साथ निखिल ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत आवेदन किया। योजना के तहत उन्हें एसबीआई बैंक मिलौनीगंज शाखा से 3 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इस वित्तीय सहायता से उन्होंने किराना दुकान की स्थापना की और अपने व्यवसाय का दायरा बढ़ाया। आज वे सब्जी बिक्री के साथ-साथ किराना सामग्री का भी सफलतापूर्वक व्यापार कर रहे हैं।दुकान के विस्तार और उत्पादों की विविधता बढ़ने से उनके व्यवसाय में लगातार प्रगति हुई है। पहले जहां उनकी आय केवल सब्जी बिक्री पर निर्भर थी, वहीं अब किराना सामग्री की बिक्री से भी नियमित आय प्राप्त हो रही है। इस परिवर्तन के परिणामस्वरूप उनकी मासिक आय में लगभग 30 से 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निखिल बताते हैं कि शासन की योजनाओं से मिली आर्थिक सहायता ने उन्हें अपने व्यवसाय को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बढ़ी हुई आय से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और जीवन स्तर में भी सुधार आया है।भविष्य को लेकर निखिल के बड़े सपने हैं। वे अपने व्यवसाय को और अधिक विकसित करना चाहते हैं तथा दुकान में दैनिक उपयोग की अधिक से अधिक वस्तुएं शामिल कर ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना चाहते हैं। उनका लक्ष्य अपने प्रतिष्ठान को क्षेत्र की प्रमुख किराना एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं की दुकान के रूप में स्थापित करना है।निखिल कुशवाहा की सफलता की कहानी यह साबित करती है कि यदि युवा मेहनत के साथ शासन की स्वरोजगार योजनाओं का लाभ लें, तो वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं बल्कि समाज के अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन सकते है।

बांधवगढ़ में बाघ का कहर जारी, महिला के बाद युवक को बनाया शिकार, 24 घंटे में दूसरी घटना से फूटा ग्रामीणों का आक्रोश

उमरिया (ए.)। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से लगे ग्राम झलवार में बाघ का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को जिस स्थान पर बाघ ने एक महिला को अपना शिकार बनाया था, उसी स्थान पर शनिवार को एक युवक को भी मौत के घाट उतार दिया। मृतक आपस में रिश्तेदार भी है। 24 घंटे के अंदर एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है जानकारी के अनुसार, एक दिन पहले शुक्रवार को बाघ ने फूलबाई को अपना शिकार बनाया था, उसी स्थान पर शनिवार को उनके भतीजे कल्याण सिंह (30) पुत्र कृपाल सिंह को भी मौत के घाट उतार दिया। हमले के बाद बाघ शव के पास ही बैठा रहा और मृतक के शरीर के निचले हिस्से को भी क्षत-विक्षत कर दिया। ग्रामीणों ने काफी प्रयास किए, लेकिन बाघ शव को छोड़ने को तैयार नहीं हुआ। बाद में जंगल चौकी प्रभारी द्वारा हाथियों को बुलाया गया, जिसके बाद घंटों की मशक्कत के पश्चात शाम करीब 5:30 बजे शव को बाघ के कब्जे से मुक्त कराया जा सका।गांव निवासी राजपाल सिंह ने बताया कि घटना के कई घंटे बाद तक वरिष्ठ वन अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। उन्होंने कहा, "अभी बड़ी मां की चिता की आग भी नहीं बुझी थी कि बाघ ने भतीजे को भी मौत के घाट उतार दिया।" अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण पंचनामा और अन्य आवश्यक कार्रवाई में भी देरी हुई, जिससे लोगों का आक्रोश और बढ़ गया। लगातार दो दिनों में एक ही परिवार पर हुए दो जानलेवा हमलों ने झलवार और आसपास के गांवों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव से लगे झिरिया नाला और पट्टा आराजी क्षेत्र में बाघ की गतिविधियां लगातार देखी जा रही हैं। किसान और मजदूर रोजमर्रा के कार्यों के लिए इन्हीं रास्तों से खेतों तक पहुंचते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अब उनके सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि वे रोजी-रोटी के लिए खेतों में जाएं या अपनी सुरक्षा के लिए घरों में ही रहें। लोगों का दावा है कि बीते एक महीने में कुदरी क्षेत्र में बाघ के हमले की यह पांचवीं घटना है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सका है।

अशोकनगर : बहुचर्चित कल्पना दांगी हत्याकांड में ऐतिहासिक फैसला, सभी 7 दोषियों को आखिरी सांस तक जेल!

अशोकनगर,(ए.)। मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले में वर्ष 2018 के चर्चित और रोंगटे खड़े कर देने वाले हत्याकांड में प्रथम अपर सत्र न्यायालय मुंगावली ने शनिवार को एक ऐतिहासिक और कड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने बहादुरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम प्यासी में महिला को जिंदा जलाने वाले सभी 7 आरोपितों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास (शेष प्राकृतिक जीवनकाल यानी आखिरी सांस तक) और पांच-पांच हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

क्या था वो खौफनाक मंजर?

यह सनसनीखेज वारदात 24 सितंबर 2018 की है। ग्राम प्यासी में मामूली विवाद के बाद बर्बरता की सारी हदें पार कर दी गई थीं। आरोपित पप्पू उर्फ अमान सिंह, राजू दांगी, मोहन सिंह, देवेन्द्र दांगी, रविन्द्र दांगी, मुल्लो बाई और सविता बाई ने मिलकर कल्पना दांगी के साथ पहले बुरी तरह

मारपीट की। इसके बाद भी जब उनका दिल नहीं भरा तो उन्होंने महिला पर मिट्टी का तेल (केरोसिन) डालकर उसे जिंदा आग के हवाले कर दिया। अस्पताल में जिंदगी और मौत से लड़ते हुए आखिरकार पीड़ित महिला ने दम तोड़ दिया था।

दोषियों की सूची जिन्हें मिली आखिरी सांस तक की सजा पप्पू उर्फ अमान सिंह, राजू दांगी, मोहन सिंह, देवेन्द्र दांगी, रविन्द्र दांगी, मुल्लो बाई, सविता बाई शामिल हैं। कानून के शिकंजे में ऐसे फंसे आरोपी कि पुलिस की सटीक विवेचना में थाना बहादुरपुर द्वारा की गई वैज्ञानिक और तकनीकी जांच इस मामले में गेम-चेंजर साबित हुई।

वैज्ञानिक साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने घटनास्थल से लेकर फॉरेंसिक और तकनीकी साक्ष्य बेहद बारीकी से जुटाए। पुलिस द्वारा अकाट्य सबूत कोर्ट में पेश किए गए चिकित्सीय अभिलेख और गवाहों के बयानों ने आरोपियों के बचने के सारे रास्ते बंद कर दिए।सबसे महत्वपूर्ण कड़ी पीड़िता का मृत्यु पूर्व कथन रहा, जिसे न्यायालय ने आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजने का सबसे बड़ा आधार माना। न्यायालय ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत अकाट्य दलीलों और पुलिस की प्रभावी विवेचना को सही पाते हुए सभी 7 आरोपियों को भादंवि की धारा 147 और 302/149 के तहत दोषी पाया।

मानपुर में दो किलोमीटर दूर से पानी ला रहे ग्रामीण, बच्चों की पढ़ाई पर भी असर

मुरैना,(ए.)। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले की पहाड़गढ़ जनपद अंतर्गत आदिवासी बहुल ग्राम पंचायत मानपुर में पेयजल संकट आज भी ग्रामीणों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। आजादी के करीब आठ दशक बाद भी यहां के हजारों ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए प्रतिदिन लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। हालात ऐसे हैं कि महिलाएं और बच्चे सुबह से शाम तक पानी जुटाने में ही अपना अधिकांश समय व्यतीत कर रहे हैं। मानपुर पंचायत के अंतर्गत आने वाले पांच गांवों में आदिवासी, मोंगिया और अन्य समुदायों के लोग निवास करते हैं। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में वर्षों से पेयजल की समस्या बनी हुई है। गर्मी के दिनों में स्थिति और गंभीर हो जाती है, जब अधिकांश हैंडपंप जवाब दे देते हैं और लोगों को निजी कुओं पर निर्भर रहना पड़ता है। ग्रामीण महिला अंजलि का कहना है कि सुबह बच्चों को स्कूल भेजने से पहले पानी लाना प्राथमिक आवश्यकता बन जाती है। कई बार दिन का बड़ा हिस्सा पानी जुटाने में ही निकल जाता है। वहीं पूजा नामक महिला ने बताया कि विवाह के बाद गांव आने पर उन्हें उम्मीद थी कि घर तक नल से पानी मिलेगा, लेकिन आज भी कुएं से पानी खींचकर लाना पड़ता है। नल-जल योजना अधूरी, सुविधाएं बेअसरग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में नल-जल योजना के तहत पानी की टंकी और पाइपलाइन तो बनाई गई, लेकिन आज तक नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी।

व्यापार समाचार

सावधानः खाने-पीने की चीजों की पैकिंग में हो रहा पिन और तार का इस्तेमाल, FSSAI ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने शुक्रवार को खाद्य व्यापार संचालकों (एफबीओ) को निर्देश किया है कि तत्काल प्रभाव से मेटल की पिन, स्टेपल पिन, वायर और अन्य इसी प्रकार की अन्य चीजों का इस्तेमाल खाने-पीने के उत्पादों को पैक करने और सुरक्षित रखने के लिए न करें, क्योंकि इससे ग्राहकों की सुरक्षा को लेकर खतरा पैदा हो रहा है।

खाद्य नियामक ने कहा कि यह बात सामने आई है कि सजावटी केक के साथ-साथ खाने के पैकेट, केक बॉक्स, मिठाई के डिब्बे, स्नैक पाउच, टेकअवे फूड पार्सल और खाने के दूसरे पैकेजों को पैक करने के लिए भी मेटल की पिन और तारों का इस्तेमाल किया जा रहा है। एफएसएसएआई ने कहा है कि ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिनमें केक और खाने के पैकेट में मेटल के टुकड़े या स्टेपल पिन मिले हैं। ऐसे मामलों से खाने की सुरक्षा को लेकर बड़ा खतरा पैदा होता है, क्योंकि ग्राहक अनजाने में इन धातु की चीजों को खा सकते हैं, जिससे उन्हें चोट लग सकती है या सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

नियामक ने सभी खाद्य व्यापार संचालकों को निर्देश दिया कि वे किसी भी खाने की चीज, बेकरी प्रोडक्ट, टेकअवे मील, स्नैक पैकेट या फूड पार्सल को सील करने, जोड़ने, सुरक्षित करने या पैक करने के लिए तुरंत मेटल की पिन, तार या ऐसी ही किसी अन्य चीज का इस्तेमाल बंद कर दें। साथ ही, एफएसएसएआई ने कहा कि जो भी खाद्य व्यापार संचालक इस निर्देश का पालन नहीं करेगा, उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। एडवाइजरी के अनुसार, अगर इस निर्देश का पालन नहीं किया जाता है, तो 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006' और इसके तहत बने नियमों के प्रावधानों के अनुसार उचित दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। इस कदम का मकसद खाद्य सुरक्षा के मानकों को मजबूत करना और फूड पैकेजिंग व हैंडलिंग में मेटल के फास्टनिंग मटीरियल के इस्तेमाल से उपभोक्ताओं को होने वाले अनावश्यक जोखिमों को रोकना है।

इजरायल, ताइवान, आयरलैंड जैसे देशों से भी अमीर हुए एलन मस्क, बनेंगे दुनिया के पहले खरबपति

नई दिल्ली (ए.)। एलन मस्क की अंतरिक्ष और सैटेलाइट कंपनी स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉर्प (स्पेसएक्स) ने अपने अब तक के सबसे बड़े प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के साथ इतिहास रच दिया है, जिससे यह सबसे बड़ी सार्वजनिक कंपनियों के टॉप लिस्ट में पहुंच गई है, और इसी के साथ कई रिपोर्टों के अनुसार, इसके संस्थापक एलन मस्क की कुल संपत्ति बढ़कर 970 अरब डॉलर से ज्यादा हो गई है, जिससे वह दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर (1 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति वाले व्यक्ति) बनने के और करीब आ गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्पेसएक्स ने अपने शेयरों की कीमत 135 डॉलर प्रति शेयर तय की है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी ने लगभग 75 अरब डॉलर जुटाए हैं, जिसे इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ बताया जा रहा है, जिसके बाद कंपनी का कुल मूल्यांकन करीब 1.77 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। स्पेसएक्स के शेयर 12 जून को नैस्डैक स्टॉक एक्सचेंज पर 'एसपीसीएक्स' टिकर नाम से लिस्ट होकर कारोबार शुरू करेंगे।आईपीओ की कीमत तय होने के बाद एलन मस्क की संपत्ति में लगभग 275 अरब डॉलर की बढ़ोतरी होने का अनुमान है, जिससे उनकी कुल संपत्ति 971 अरब डॉलर तक पहुंच गई है (ब्लूमबर्ग बिलियनर्स इंडेक्स के अनुसार)।

शेयर बाजार ने निराशा से ऐतिहासिक छलांग तक का तय किया सफर

- वैश्विक नकारात्मक रुझानों और भू-राजनीतिक तनाव से प्रमुख सूचकांकों में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव रहा

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर राइड से कम नहीं रहा। वैश्विक नकारात्मक रुझानों और भू-राजनीतिक तनाव के चलते सोमवार को भारी बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिससे प्रमुख सूचकांक धड़ाम हो गए। हालांकि सप्ताह के अंत में निवेशकों की जबरदस्त खरीदारी ने बाजार में तूफानी वापसी दर्ज कराई और सेंसेक्स-निफ्टी नए ऐतिहासिक उच्च स्तरों पर बंद हुए, जो बाजार के लचीलेपन को दर्शाता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को बेहद निराशाजनक रही। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े वैश्विक बदलावों के बीच जोखिम से बचने के माहौल ने बाजार को अपनी चपेट में ले लिया। मुनाफावसूली के चलते सेंसेक्स 719.08 अंक लुढ़ककर 73,524.26 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 243.71 अंक टूटकर 23,123.00 के अहम स्तर से नीचे आ गया। यह बिकवाली एशियाई और यूरोपीय बाजारों में भी देखी गई। मंगलवार को बाजार ने शानदार वापसी की और दोनों सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स 394.50 अंक की बढ़त के साथ 73,918.76 पर पहुंचा, वहीं निफ्टी 119.10 अंक

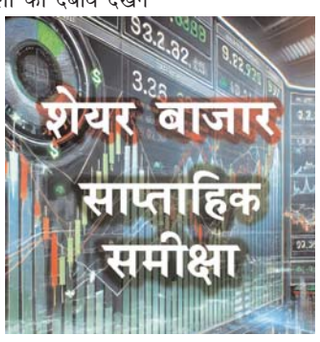

मजबूत होकर 23,242.10 पर बंद हुआ। हालांकि बुधवार को बाजार में मिला-जुला रुख दिखा। सेंसेक्स मामूली 64.42 अंक बढ़कर 73,983.18 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 27.15 अंक गिरकर 23,214.95 पर लाल निशान में रहा। इस दौरान रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरावट जारी रही। गुरुवार को एक बार फिर बाजार में बिकवाली का माहौल दिखा। सेंसेक्स 150.63 अंक फिसलकर 73,832.55 पर आ गया और निफ्टी 53.35 अंक कमजोर होकर 23,161.60 पर बंद हुआ। भारतीय रुपये में भी डॉलर के मुकाबले 35 पैसे की और गिरावट दर्ज की गई, जो 95.60 पर पहुंच गया। शुक्रवार का दिन निवेशकों के लिए किसी सौगात से कम नहीं रहा। जबरदस्त खरीदारी के माहौल में बाजार खुलते ही चौतरफा तेजी देखी गई। जोखिम लेने के बढ़ते रुझान के चलते दिनभर सूचकांकों ने जोरदार छलांग लगाई। कारोबारी सत्र के अंत में बीएसई सेंसेक्स 1,695.40 अंकों की लंबी छलांग लगाकर 75,527.95 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, एनएसई निफ्टी भी 461.31 अंक उछलकर 23,622.90 के पार जाकर बंद हुआ, जो बाजार के लिए एक ऐतिहासिक समापन था। कुल मिलाकर यह सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिसने मंदी की शुरुआत के बावजूद अंततः रिकॉर्ड-उच्च स्तरों पर अपनी लचीली क्षमता का प्रदर्शन किया।

लूट लो ऑफर! सैमसंग के 200एमपी कैमरे वाले फोन पर आई सबसे बड़ी सेल, सीधे बच रहे 15 हजार रुपए

नई दिल्ली (ए.)। अगर आप एक दमदार और फ्लैगशिप ग्रेड का स्मार्टफोन खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह आपके लिए सबसे शानदार मौका हो सकता है। टेक दिग्गज सैमसंग ने कुछ ही महीने पहले अपना बहुप्रतीक्षित स्मार्टफोन सैमसंग गैलेक्सी एस 26 अल्ट्रा (Samsung Gala&y Sw{ Ultra) लॉन्च किया था। अब इस प्रीमियम हैंडसेट पर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन भारी-भरकम डिस्काउंट दे रहा है। पावरफुल परफॉर्मेंस और 200 मेगापिक्सल कैमरे वाले इस फोन पर ग्राहक पूरे 15 हजार रुपये तक की शानदार बचत कर सकते हैं। सैमसंग ने अपने इस फ्लैगशिप स्मार्टफोन को भारतीय बाजार में 1,39,999 रुपये की शुरुआती कीमत के साथ लॉन्च किया था। लेकिन अब ई-कॉमर्स वेबसाइट अमेजन इंडिया पर इसे 1,30,999 रुपये में लिस्ट किया गया है। इसका सीधा मतलब है कि ग्राहकों को इस हैंडसेट पर बिना किसी शर्त के 9 हजार रुपये का फ्लैट डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके अलावा, अगर आप खरीदारी के दौरान कुछ चुनिंदा बैंकों के क्रेडिट या डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो आपको 6 हजार रुपये का इंस्टेंट बैंक डिस्काउंट भी मिलेगा। इन दोनों ऑफर्स को मिला दें तो यूजर्स को फोन की कुल कीमत पर 15 हजार रुपये का भारी-भरकम फायदा मिल रहा है।

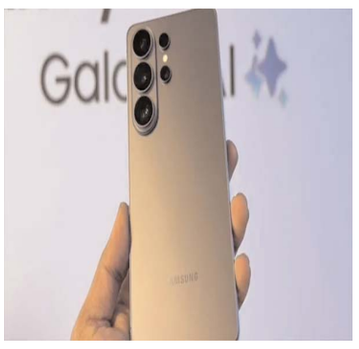

स्पेसएक्स की शेयर बाजार में धमाकेदार एंट्री, एलन मस्क बने दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर, 3 भारतीयों की भी लगी लॉटरी

नई दिल्ली (ए.)। अंतरिक्ष की दुनिया में राज करने वाली एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स (SpaceX) ने शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक (Nasdaq) में धमाकेदार एंट्री की है। कंपनी का शेयर अपने आईपीओ प्राइस 135 डॉलर के मुकाबले करीब 11 फीसदी भारी प्रीमियम के साथ 150 डॉलर पर खुला। इस शानदार लिस्टिंग के साथ ही कंपनी की कुल वैल्यूएशन 2.2 ट्रिलियन डॉलर के ऐतिहासिक आंकड़े तक पहुंच गई है। शेयर बाजार में आए इस बंपर उछाल ने एलन मस्क की संपत्ति में बेतहाशा इजाफा किया है, जिससे वह 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की नेटवर्थ वाले दुनिया के पहले इंसान बन गए हैं।

मस्क की सफलता से तीन भारतीयों की चमकी किस्मत

स्पेसएक्स के इस महा-आईपीओ का फायदा सिर्फ निवेशकों या एलन मस्क तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि मस्क की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) कंपनी &AI में काम करने वाले तीन भारतीय मूल के इंजीनियरों की भी छप्पर फाड़ लॉटरी लग गई है। इनमें देवेंद्र चापलोट, अमन मदान और आदित्य गुप्ता का नाम

प्रमुखता से शामिल है। इन तीनों भारतीय दिग्गजों को इसी साल अप्रैल 2026 में &AI के भीतर बेहद अहम और बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। ये एक्सपर्ट्स कंपनी के एआई मॉडल तैयार करने, उन्हें बेहतरीन तरीके से ट्रेन करने और वास्तविक दुनिया में उनके सटीक इस्तेमाल जैसे सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स की कमान संभाल रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईआईटी बॉम्बे के पूर्व छात्र देवेंद्र चापलोट वर्तमान में &AI के एआई मॉडल्स की शुरुआती ट्रेनिंग का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं, अमन मदान इन आधुनिक एआई मॉडल्स को बनाने के लिए जरूरी तकनीकी टूल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर संभाल रहे हैं। इसके अलावा, आदित्य गुप्ता एआई मॉडल्स को वास्तविक उत्पादों में तब्दील करने और उन्हें ग्राहकों के लिए अधिक उपयोगी बनाने का अहम काम देख रहे हैं। आदित्य का टेक इंडस्ट्री में बड़ा नाम है और वे इससे पहले दिग्गज टेक कंपनी गूगल में 'गूगल बार्ड' (Google Bard) और 'गूगल असिस्टेंट' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर चुके हैं। एलन मस्क की कंपनियों की कार्यशैली की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वे अपने कर्मचारियों को भारी-भरकम वेतन के साथ-साथ कंपनी के शेयर (इक्विटी) भी बोनस के रूप में देती हैं। गौरतलब है कि इसी साल स्पेसएक्स ने &AI का अधिग्रहण किया था, जिसके बाद इन कर्मचारियों के &AI वाले शेयर सीधे स्पेसएक्स के शेयरों में बदल गए।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

सीजेरियन डिलीवरी

भारत में बीमा कवरेज बढ़ा है, जिसमें एक बड़ा हिस्सा सरकारी बीमा योजनाओं का है। संभवत: इसी कारण अस्पताल दंपत्तियों को अनिवार्य ना होने की स्थिति में भी सीजेरियन डिलीवरी पर राजी कर लेते हैं।

भारत में अब 90 फीसदी बच्चों का जन्म अस्पताल में होता है। ये अच्छी खबर नेशनल फैमिली एंड हेल्थ सर्वे-6 (एनएफएचएस-6) रिपोर्ट से आई है। उधर नई सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैस्टिकल रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में कुल जितने बच्चों का जन्म हुआ, उनमें 66.4 प्रतिशत अपने माता-पिता की पहली संतान थे। लगभग 23 प्रतिशत दूसरी और 7.3 फीसदी तीसरी संतानों का जन्म हुआ। सिर्फ 3.5 प्रतिशत मामलों में चौथी या उसके बाद की संतानों का जन्म हुआ। ये आंकड़े स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन के लिए बढ़ी चेतना की तस्दीक करते हैं। एनएफएचएस-6 के मुताबिक भारत में टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) 2.0 रह गया है, जो आदर्श 2.1 से थोड़ा कम है।

फिलहाल, यह चिंता का विषय नहीं है, लेकिन टीएफआर और गिरा, तो भविष्य में एक नई चुनौती देश के सामने आ सकती है। बहरहाल, एनएफएचएस-6 से अभी गंभीर चिंता का कारण बन चुका एक रुझान सामने आया है। इसके मुताबिक 2023-24 में प्राइवेट अस्पतालों में 54 प्रतिशत डिलीवरी सीजेरियन हुई। पश्चिम बंगाल में तो ये संख्या 87.7 और तेलंगाना 84 प्रतिशत थी। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन सिर्फ 10 से 15 प्रतिशत मामलों में सीजेरियन डिलिवरी को स्वीकार्य सीमा में मानता है। अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाओं के लगभग पूरी तरह बीमा आधारित होने के बावजूद सीजेरियन डिलीवरी की दर 32 प्रतिशत ही है। स्कैंडेनेवियन देशों में तो यह 16 से 19 फीसदी तक है।

ये आंकड़े बताते हैं कि सीजेरियन डिलीवरी की जरूरत बहुत कम मामलों में पड़ती है। फिर भी भारत में प्राइवेट अस्पतालों में आधी से ज्यादा डिलीवरी इस तरीके से हो रही है, तो इसके पीछे मुख्य कारण मुनाफा कमाने की व्यापारिक मानसिकता को ही समझा जाएगा। एनएफएचएस-6 से सामने आया है कि भारत में बीमा कवरेज बढ़ा है, जिसमें बड़ा योगदान सरकारी बीमा योजनाओं का है। संभवत: इसी कारण अस्पताल दंपत्तियों को अनिवार्य ना होने की स्थिति में भी सीजेरियन डिलीवरी पर राजी कर लेते हैं। अगर ऐसा हो रहा है, तो इसकी पड़ताल की जरूरत है, क्योंकि सरकारी बीमा के तहत अस्पतालों को जो भुगतान होता है, वह करदाताओं की जेब से ही आता है।

मीनाक्षी नटराजन के पास चुनाव याचिका का विकल्प?

-सौरभ वार्ष्णेय

मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र को निरस्त किए जाने और उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से तत्काल राहत न मिलने के बाद सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या उनके पास अब भी कोई कानूनी विकल्प बचा है। इसका उत्तर है—हाँ, चुनाव याचिका का विकल्प अभी भी उपलब्ध हो सकता है, लेकिन वह चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 329 स्पष्ट करता है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान अदालतें सामान्यत: हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। चुनाव की वैधता को चुनौती देने का उचित माध्यम चुनाव संपन्न होने के बाद चुनाव याचिका होती है। इसी संवैधानिक प्रावधान का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन की याचिका पर तत्काल हस्तक्षेप से इनकार किया। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह मामला केवल एक उम्मीदवार के नामांकन का नहीं रह गया है। कांग्रेस इसे चुनावी निष्पक्षता और लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रश्न बना रही है, जबकि चुनाव आयोग और सत्तापक्ष इसे चुनावी नियमों के पालन का मामला बता रहे हैं। यदि मीनाक्षी नटराजन चुनाव याचिका दायर करती हैं और अदालत यह पाती है कि नामांकन निरस्त करने में कानूनी त्रुटि हुई थी, तो इससे चुनाव परिणाम और निर्वाचन प्रक्रिया दोनों पर गंभीर प्रश्न खड़े हो सकते हैं। इस पूरे घटनाक्रम का एक बड़ा संदेश यह भी है कि भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग, न्यायपालिका और राजनीतिक दलों के बीच संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। चुनाव याचिका का प्रावधान इसी संतुलन को बनाए रखने के लिए बनाया गया था, ताकि चुनाव प्रक्रिया बाधित न हो और साथ ही किसी भी कथित अन्याय की न्यायिक

समीक्षा भी संभव रहेकांग्रेस के लिए यह मामला राजनीतिक संघर्ष का प्रतीक बन चुका है। यदि चुनाव याचिका दाखिल होती है, तो यह केवल कानूनी लड़ाई नहीं होगी, बल्कि चुनावी पारदर्शिता और संस्थागत विश्वसनीयता पर भी व्यापक बहस को जन्म दे सकती है। दूसरी ओर, यदि न्यायालय चुनाव आयोग के निर्णय को सही ठहराता है, तो यह चुनावी नियमों के कठोर अनुपालन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जाएगा। मीनाक्षी नटराजन के पास चुनाव याचिका का रास्ता मौजूद है, लेकिन उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह यह साबित कर पाती हैं या नहीं कि उनका नामांकन कानून के विपरीत या मनमाने ढंग से निरस्त किया गया था। यही कारण है कि यह मामला आने वाले समय में भारतीय चुनावी न्यायशास्त्र की एक महत्वपूर्ण कसौटी बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन को रद्द करने वाले रिटर्निंग ऑफिसर के आदेश में दखल देने से सीधे तौर पर इनकार कर दिया। जस्टिस पीके मिश्र और जस्टिस एएस चंदूरकर की पीठ ने फैसला सुनाया कि राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र खारिज होने को चुनौती देने वाली मीनाक्षी नटराजन की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि एक बार जब रिटर्निंग ऑफिसर की तरफ से किसी उम्मीदवार का नामांकन खारिज कर दिया जाता है, तो इसके समाधान के लिए केवल चुनाव आयोग के पास जाना ही एकमात्र उपाय है।

अदालत ने मीनाक्षी नटराजन के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा, निर्णय चाहे कितना भी गलत क्यों न हो, एक बार नामांकन खारिज हो जाने के बाद, इसका उपाय आमतौर पर कहीं और होता है। क्या इस न्यायालय का कोई ऐसा निर्णय है जहां हमने इस स्तर पर हस्तक्षेप किया हो?। सुप्रीम कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन के मामले में स्पष्ट कर दिया कि चुनाव से जुड़े मामलों पर रिट याचिका के माध्यम से कोई राहत नहीं दी जा सकती। सिर्फ सांविधानिक मामलों में ही रिट याचिका के जरिए सुप्रीम कोर्ट आया जा सकता है।

चुनाव याचिका संसदीय, विधानसभा या स्थानीय चुनावों के नतीजों की वैधता की जांच करने की एक वैधानिक प्रक्रिया है। आसान शब्दों में कहें तो, यह कानून के तहत किसी चुनाव में विजयी उम्मीदवार के निर्वाचन को अदालत में चुनौती देने का एक साधन है।

मीनाक्षी नटराजन का मामला क्या है?

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन फॉर्म 26 में तेलंगाना के एक आपराधिक मामले का खुलासा न करने के कारण रिटर्निंग ऑफिसर की तरफ से खारिज किया गया। उनके वकील ने सुप्रीम कोर्ट में यह तर्क दिया कि जिस मामले का खुलासा नहीं किया गया उसमें केवल नोटिस जारी हुए थे और जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत नामांकन को गलत तरीके से खारिज किया गया है, लेकिन न्यायालय ने इस स्तर पर कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया।

विनम्रता,सहजता और संकल्प बड़ी सफलता के मार्ग

संजीव ठाकुर,

मनुष्य सदैव प्रयास करता है कि उसे लक्ष्य और सफलता जल्द से जल्द प्राप्त हो पर वस्तुत: ऐसा होता नहीं है, स्थाई सफलता के लिए कठोर श्रम, संकल्प, सहजता और विनम्रता सच्चे सन्मार्ग हैं। जल्दी का काम शैतान का होता है ऐसा कहावतें कहती है, लक्ष्य प्राप्ति के लिए जीवन में निरंतर श्रम सहजता सरलता और संघर्ष के साथ संयम का बड़ा योगदान होता है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है वह जीवन के हर सोपान में अपने आप को उत्तम स्थिति में रखना चाहता है। किंतु जीवन की सफलता मनुष्य के संघर्ष और उसके आचरण में अंतर्निहित विनम्रता पर भी निर्भर करती हैं। मनुष्य यदि सब कुछ प्राप्त करके भी वह विनम्र नहीं है तो उसका जीवन अधूरा है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता था किंतु उसके जीवन में और उसके आचरण में विनम्रता ना होकर दंभ और अहंकार समाविष्ट था, अत: वह अपने अहम और विनम्रता विहीन जीवन के कारण प्रभु श्री राम के हाथों मारा गया। विनम्रता मनुष्य का वह गुण है जो मनुष्य के निजी जीवन में समाजीकरण की प्रक्रिया में उसके द्वारा आत्मसात किया जाता है। छोटा और तुच्छ व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी गतिविधियों में रहकर अपने आप को सर्वशक्तिमान एवं सर्व ज्ञानी समझकर कुएं के मेंढक की तरह अधजल गगरी छलकत जावे की कहावत को सिद्ध करता है। महान तथा ज्ञानी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता झलकती है वह उसे प्रदर्शित करने से परहेज करते हैं क्योंकि विनम्रता उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में समाहित होती है। विनम्रता किसी भी सज्जन व्यक्ति की जीवन की शैली होती है। महान और विनम्र व्यक्ति की प्रशंसा करने पर भी वे उसे स्वीकार न कर किसी दूसरे व्यक्ति को इसका श्रेय देते हैं। और अज्ञानी और छोटी सोच के कारण व्यक्ति अपने मियां मिट्ठू बनने से नहीं अघाते हैं। ज्ञानी व्यक्ति अपनी उपलब्धि को समाज की बेहतरी के लिए उपयोग में लाता है, ना कि उसे केवल अपने अथवा अपने करीबी या परिवार के लिए ही सीमित नहीं रखता है। विनम्र व्यक्ति सदा ज्ञान तथा सद्गुणों की खोज में रहता है एवं उसके जीवन में नई-नई उपलब्धियां अपने आप आने लगती हैं । जिस तरह फलदार वृक्ष सदैव

> मनुष्य मूलत: अहंकारी, स्वार्थी, लालची तथा पद प्राप्त करने वाला लोभी रूप होता है। किंतु धीरे-धीरे वह सामाजिक परिवेश में अपने आसपास के ज्ञानी ,साधु एवं सच्चे सद्गुणी नागरिकों के संपर्क में आकर अपने लोभ तथा लालच की अहंकारी गतिविधियों में सुधार लाकर सहिष्णु, सौहार्द, करुणा, सहयोग आदि गुणों को अपने में समाहित कर विनम्रता के सद्गुण को ग्रहण कर लेता है। विनम्रता सही मायने में सामाजिक अच्छाई की परिणति है। सद्गुण और विनम्रता महान लोगों के द्वारा ग्रहण किया हुआ वह अलंकार है जो उसे लोक तथा परलोक में सर्वमान्य रूप से स्थापित करता है।

झुके हुए होते हैं उसी तरह विनम्र और ज्ञानी व्यक्ति भी बहुत अधिक विनम्र तथा देश समाज और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर बने रहने के पश्चात भी विद्यार्थियों के साथ रहा करते थे जो उनको महानतम बनाता है और इसी महानता के लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च भारत रत्न की उपाधि दी गई थी। ज्ञानी व्यक्ति केवल सूचनाओं का केंद्र ही नहीं होता बल्कि ज्ञान उसे विनम्र और सद्गुणी बनाता है, विनम्रता मनुष्य को उसके जीवन में अच्छे मार्ग में प्रशस्त होता है विनम्र व्यक्ति ही समाज में उचित स्थान तथा सम्मान का हकदार बनता है। विनम्रता से ही मनुष्य समाज के हर पहलू में उसका पात्र बनकर उसे ग्रहण करने का अधिकार रखता है। इसलिए विनम्र एवं ज्ञानी व्यक्ति समाज में सदैव सम्मानित एवं उच्च स्थान प्राप्त करने वाला व्यक्ति बन जाता है। विनम्र व्यक्ति में नेतृत्व गुण भी संभावित होता है क्योंकि ज्ञानी और विनय शील व्यक्ति को अपने नेतृत्व कर्ता के रूप में शहर से स्वीकार करती है। क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने विचारों को आमजन पर अधिरोपित नहीं करता बल्कि उनके विचारों को उनके सुझाओं को प्राप्त कर नए-नए समाधान भी निकलता है। महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता के लिए इसे अपना अस्त्र तथा शस्त्र बनाया था। सत्य और अहिंसा विनम्र व्यक्ति के दो अमोघ अस्त्र की तरह थे जो विनम्रता को और प्रभावशाली बनाते हैं। विनम्र व्यक्ति सदा संतोषी एवं परम सुखी होता है क्योंकि उसकी अपनी कोई महत्वाकांक्षा इच्छा, लोभ,जलन अथवा प्रतिस्पर्धा नहीं रहती है, वह अवगुणों से दूर रहकर अपने को परिमार्जित कर लेता है और समाज के विकास के लिए समर्पित भी रहता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में कहा जाता है कि जब वे ज्ञान की खोज में देशाटन कर रहे थे तब लोगों ने उन्हें अनेक प्रकार की यातनाएं दी पर महात्मा बुध ने बिना विचलित हुए अपनी खोज में लगे रहे और उनके अथक प्रयास ,विनम्रता और ज्ञान के दम पर महापरिनिर्वाण की स्थिति को प्राप्त किया। जिस तरह शक्ति को दबाया जा सकता है किंतु समाप्त नहीं किया जा सकता उसी प्रकार विनम्रता कुछ समय के लिए कमजोर प्रतीत हो सकती है अंतत: उसकी अपनी क्षमता व्यापकता और पर्वत के समान कठोर तत्वों के कारण वह हर बाधा को पार कर मनुष्य को सफलता दिलाने में सक्षम होती है इसी विनम्रता और कठोर श्रम के चलते महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार की बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया और भारतवासियों को अपनी विनम्रता से स्वाधीनता का स्वाद चखाया। यही बात हमारी भारतीय सनातन तथा वैदिक संस्कृति पर भी लागू होती है वह हजारों वर्ष से अब तक सुरक्षित बनी हुई है। विनम्रता व्यक्ति हो या संस्कृति उसे विनम्रता स्थायित्व प्रदान करती है एवं आने वाले मार्ग की बाधाओं को समाप्त कर देती है जैसा कि अहंकार का अस्थाई तथा क्षणभंगुर होता है, किसी भी राष्ट्र संस्कृति समाज के स्थायित्व के लिए उसका विनम्र तथा सहिष्णु होना आवश्यक है । इसीलिए यह माना जाता है कि मनुष्य, समाज ,देश के लिए विनम्रता सर्वश्रेष्ठ अवदान है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से जशपुर जिले में बदली रही हजारों लोगों की जिंदगी*

0-मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में जशपुर जिले के 93 हजार से अधिक परिवारों को मिला पक्का मकान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सुशासन में प्रधानमंत्री आवास योजना से राज्य सहित जशपुर जिले में हजारों लोगों की जिंदगी बदली रही है। पक्की छत के नीचे लाखों लोग सुकून से रह रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास और पीएम जनमन योजना ने गरीब और विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को पक्का मकान से लाभांवित कर उनके जीवन में बदलाव लाया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के मंशानुरूप आवास प्लस 2.0 के तहत् सर्वे कर छूटे हुए लोगों को भी शत् प्रतिशत आवास देने का लक्ष्य निर्धारित है।

योजना के तहत पात्र परिवारों को पक्का घर प्रदान करना, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल, बिजली, शौचालय और एलपीजी जैसी बुनियादी सुविधाओं से युक्त पक्का मकान का लाभ देने है। जिन लोगों को जीवन वर्षों तक संघर्ष और अभाव की छाया में बीता। कच्चे मकान की टूटी-फूटी दीवारें और छत उनके परिवार की मुश्किलों की गवाह थीं। बरसात के मौसम में तो हालत और भी विकट हो जाती थी। घर के भीतर पानी भर जाना, सामान भीग जाता और रातें जागते हुए काटनी पड़ती थीं। खुद के लिए एक पक्का घर बनाने का सपना, सपना ही बना रहता था।

छत्तीसगढ़ शासन की संवेदनशील सोच का परिणाम जिले के हजारो लोग लाभान्वित*

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अब तक 1 लाख 26 हजार 18 जशपुर जिले में आवास स्वीकृत हुए हैं। इनमें 93 हजार 506 आवास पूर्ण हो चुके हैं। इन घरों में अपनों के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

मेष -लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

वृष -अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा।

मिथुन-समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा।

कर्क -मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा।

सिंह -संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा।

कन्या -पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा।

तुला -माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।

वृश्चिक -नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा।

धनु -कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं।

मकर -कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी।

कुम्भ -शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव।

मीन -पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी।

गृहिणियाँ हैं राष्ट्र निर्माता: सर्वोच्च न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला

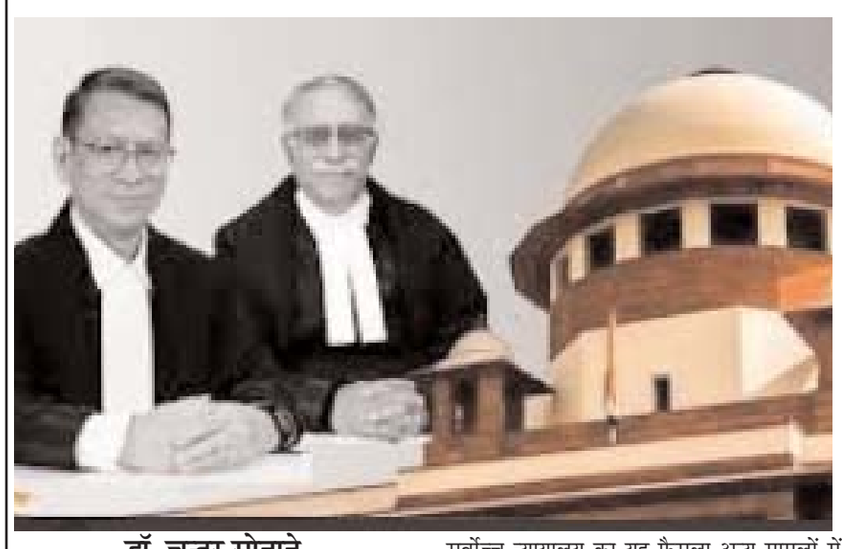

डॉ. चन्दर सोनाने

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि घर संभालने वाली महिलाएं सिर्फ होममेकर नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माता हैं। वाहन दुर्घटना मुआवजे से जुड़े एक प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि महिला की मृत्यु घरेलु देखभाल का नुकसान है। मुआवजे की गणना के लिए महिला के घरेलु श्रम का मूल्य कम से कम 30 हजार रूपए प्रतिमाह माना जाए। यह राशि हर तीसरे साल 10 प्रतिशत बढ़ेगी।

सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस श्री संजय करोल और कोटिश्वर सिंह की पीठ ने 25 साल पहले एक हादसे में अपनी पत्नी को खो चुके व्यक्ति के लिए 62 लाख 77 हजार रूपए का मुआवजा मंजूर किया। सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला अन्य मामलों में भी उदाहरण बनेगा। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में वाहन दुर्घटना पर महिला की मौत पर मुआवजे से जुड़े सभी मामलों में घरेलु देखभाल के नुकसान का अलग मद जुड़ेगा। उल्लेखनीय है कि अब तक गृहिणियों की मौत पर मुआवजा तय करते समय उनकी आय न्यूनतम मजदूरी के आधार पर मानी जाती थी। उन्हें कुशल या अकुशल मजदूर की श्रेणी में रखा जाता था। इस पर कोर्ट ने कहा कि ये महिला के योगदान का गंभीर अवमूल्यन है। कोर्ट ने यह भी कहा कि गृहिणी परिवार के कमाऊ सदस्य पर निर्भर मानी जाती है, जबकि असल में घर की व्यवस्था काफी हद तक उस महिला पर ही निर्भर होती है। कोर्ट ने लैंगिक भूमिकाओं पर यह भी कहा कि शादी का मतलब नौकरानी रखना नहीं हैं। सर्वोच्च न्यायालय का उक्त फैसला हरियाणा में 2001 में एक हादसे में महिला की मृत्यु से जुड़ा हुआ है। महिला के पति और तीन बच्चों ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण से मुआवजा मांगा था। अधिकरण ने 2003 में 2 लाख 42 हजार रूपए का मुआवजा मंजूर किया था। इस फैसले से नाखुश परिवार पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट पहुंचा। हाईकोर्ट ने 2024 में जारी फैसले में मुआवजा बढ़ाकर 8 लाख 43 हजार कर दिया। साथ ही 7.5 प्रतिशत ब्याज भी देने का आदेश दिया था। इस फैसले से भी असंतुष्ट दावेदार सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा था।सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि मोटर दुर्घटना मुआवजे से जुड़े सभी प्रकरण एक साल में निपटाएं जाने चाहिए और हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीशों को इसकी निगरानी करनी चाहिए। साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि 4 साल से अधिक समय से लंबित मामले पहले निपटाएं जाने चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय का उक्त आदेश अत्यन्त महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक फैसला है। इसका सही मायने में क्रियान्वयन देशभर में चल रहे मोटर दुर्घटना मुआवजे से जुड़े सभी प्रकरणों में किया जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार गृहिणी को मात्र होममेकर नहीं मानते हुए राष्ट्र निर्माता बताया है। यह फैसला भविष्य में सभी पर लागू होगा। यह भी इस मामले में एक महत्वपूर्ण फैसला है। अब देश के सभी उच्च न्यायालयों को और मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण को अपने फैसले लेते समय सर्वोच्च न्यायालय के उक्त ऐतिहासिक फैसले को नजीर मानते हुए अपने फैसले देना चाहिए, तभी सुप्रीम कोर्ट का आदेश सार्थक सिद्ध होगा।

K K

राष्ट्रीय समाचार

रविवार 14 जून 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

पुलिस ने 2 देसी पिस्तौल के साथ दो गैंगस्टर को बठिंडा में किया गिरफ्तार

चंडीगढ़,(आरएनएस)। पंजाब में हथियार और ड्रग्स तस्करों के खिलाफ पुलिस लगातार अभियान चलाते हुए कार्रवाई कर रही है। आए दिन तस्करों को पुलिस गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से हथियार और मादक पदार्थ बरामद कर रही है। इसी कड़ी में बठिंडा में दो आरोपियों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है।पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी है, जिसमें बताया है, पंजाब की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने बठिंडा में दो आरोपियों को पकड़ा है। इनके पास से .32 बोर की दो देसी पिस्तौल और पांच कारतूस बरामद किए हैं। डीजीपी ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि दोनों आरोपी फिरोजपुर इलाके में सक्रिय एक जेल में बंद गैंगस्टर द्वारा चलाए जा रहे आपराधिक नेटवर्क से जुड़े हैं। आरोपियों का आपराधिक बैकग्राउंड है और वे हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के उल्लंघन समेत कई मामलों में शामिल रहे हैं। सिविल लाइन्स पुलिस स्टेशन बठिंडा में मामला दर्ज किया गया है। नेटवर्क के पिछले और अगले कनेक्शन का पता लगाने और इसमें शामिल अन्य साथियों की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है। पंजाब पुलिस संगठित आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने और पूरे पंजाब में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पेपर लीक विवाद : कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ की देशव्यापी अभियान की घोषणा, 17 जून से होगी शुरुआत

नई दिल्ली ,(आरएनएस) । कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर देशव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने जानकारी दी कि कांग्रेस 17 जून को राजस्थान के कोटा से इसकी शुरुआत करेगी। केसी वेणुगोपाल ने अपने बयान में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, बेरोजगारी और सरकार की ओर से भारत के युवाओं के साथ लगातार हो रहे धोखे के बढ़ते संकट के खिलाफ एक देशव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत के छात्रों और युवाओं के लिए सबसे भरोसेमंद और विश्वसनीय आवाज बनकर उभरे हैं। वे छात्रों, युवा संगठनों, शिक्षकों और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित सभी लोगों को एक साथ लाने के लिए बड़े छात्र सम्मेलनों की एक श्रृंखला आयोजित करेंगे। इसकी शुरुआत कोटा (17 जून), इलाहाबाद (10 जुलाई), पटना (11 जुलाई) और दिल्ली (14 जुलाई) से होगी। यह अभियान उन लाखों युवा भारतीयों की मुश्किलों को उजागर करेगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती और शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के कारण बार-बार खतरे में पड़ रहा है।वेणुगोपाल ने कहा कि देशव्यापी अभियान के तहत, पार्टी देशभर में एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस, पीसीसी, डीसीसी और स्थानीय इकाइयों के माध्यम से बड़े पैमाने पर छात्रों तक पहुंचकर राहुल गांधी के आह्वान को दोहराएगी।

यूपी खनन विभाग में बड़ा फेरबदल

- खनन विभाग में 14 अफसरों के तबादले,

लखनऊ (ए.)। उत्तर प्रदेश सरकार ने भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। विभाग के कुल 14 अधिकारियों का तबादला किया गया है। इनमें एक सहायक भूवैज्ञानिक, एक रसायन अधिकारी, एक क्षेत्रीय प्रवर्तन अधिकारी और 11 जिला खान अधिकारी शामिल हैं।

खनन गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माने जाने वाले सहारनपुर, चित्रकूट और फतेहपुर जैसे जिलों के खनन अधिकारियों को भी बदल दिया गया है। नरेश कुमार को संतकबीरनगर से फतेहपुर, शिव दयाल सिंह को मैनपुरी सेसुल्तानपुर, विपेंद्र कुमार राजभर को फतेहपुर से श्रावस्ती और विवेक कुमार को श्रावस्ती से चित्रकूट भेजा गया है।इसके अलावा मन्टू कुमार सिंह को चित्रकूट से मैनपुरी, सुभाष सिंह को पीलीभीत से मथुरा, अक्षय कुमार को मथुरा से संतकबीरनगर, प्रांजुल सिंह को उन्नाव से पीलीभीत, गोपाल कृष्ण दत्ता को मुख्यालय लखनऊ से ललितपुर, अनंत कुमार को कानपुर देहात से सहारनपुर और सुभाष सिंह को सहारनपुर से कानपुर देहात स्थानांतरित किया गया है।सहायक भूवैज्ञानिक सोमेन्द्र तिवारी को मुख्यालय लखनऊ से फतेहपुर का प्रभारी बनाया गया है। सहायक रसायन अधिकारी डॉ. सुशील कुमार को बिजनौर का खान अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं क्षेत्रीय प्रवर्तन अधिकारी अनन्त कुमार सिंह को अयोध्या के साथ बाराबंकी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।तबादलों के बाद खनन बहुल जिलों में प्रशासनिक निगरानी और प्रवर्तन व्यवस्था को लेकर नई जिम्मेदारियां तय हो गई हैं।

आपके कंधों पर सजे विंग्स, एक बैज नहीं, यह करोड़ों भारतीयों के भरोसे का प्रतीक हैं

रक्षामंत्री ने उड़ान प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर विंग्स से किया सम्मानित

हैदराबाद,(ए.)। हैदराबाद में एयरफोर्स एकेडमी में संयुक्त ग्रेजुएशन परेड में भारतीय नौसेना के नौ अधिकारियों, भारतीय तट रक्षक के तीन अधिकारियों और सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ वियतनाम के दो प्रशिक्षुओं को उड़ान प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर विंग्स से सम्मानित किया गया। नेविगेशन प्रशिक्षण पूरा करने पर तीन अधिकारियों को ब्रेवेट्स दिए गए।

कैडेट्स को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आपको इनोवेशन करना है, एग्जीक्यूट करना है और इन सब में सफलता भी हासिल करना है। आपके लिए दुनिया में चल रहे हर युद्ध में एक नया शिक्षण विद्यालय होना चाहिए। आपको कड़ी मेहनत के साथ स्मार्ट काम और प्रतिभा की उतनी ही जरूरत होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि आपके कंधों पर सजे विंग्स, केवल एक बैज भर नहीं हैं, यह करोड़ों भारतीयों के भरोसे का प्रतीक हैं। इसलिए आपको अपनी पूरी सर्विस में प्रोफेसनिल्जम और आचरण के ऐसे उच्च मानक को लगातार बनाए रखना होगा, जो दूसरों के लिए प्रेरणा बनें।

सिंह ने कहा कि आज, भारतीय वायु सेना अकादमी की संयुक्त स्नातक परेड में आप सभी के

बीच आकर मुझे गौरव की भावना हो रही है। सबसे पहले, मैं आप सभी को, प्रशिक्षण के लिए चुनौती पूरी करने पर बधाई देता हूं। आज जब आपके कैडेट जीवन की यात्रा समाप्त हो रही है, तो मुझे लगता है, आपको संतुष्टि और उत्साह का एक मिलाप-जुला भाव महसूस हो रहा है, लेकिन याद रखें, आपकी यात्रा अभी शुरू ही हुई है। आप एक ऐसी सर्विस का हिस्सा बन रहे हैं, जिसने देश की हर कॉल पर अपना बेहतर दिया है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर में भी, हमने यही भावना देखी है।

रक्षा मंत्री ने कैडेट्स से कहा कि मेरा विश्वास है कि आपके प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अभ्यासों में आपको अनिश्चितता और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करने के लिए अच्छी तरह से तैयार किया गया है। एक पेशेवर सैनिक के रूप में यह आपका कर्तव्य है कि आप उभरती चुनौतियों के प्रति सदैव सजग रहें और जरुरत के मुताबिक अपनी प्रतिक्रिया को फिर अंशांकित करते रहें। सिंह ने कहा कि नई पीढ़ी के आप सभी योद्धाओं से मैं कहना चाहूंगा कि आप आने वाले समय में युद्ध प्रणालियों और रणनीतियों को भी भली-भांति समझें।भारतीय एयर फोर्स लाखों-करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा का बड़ा सोर्स है। अभी हाल ही में भारतीय वायु सेना के ही शुभांशु शुक्ला, भारत की ओर से स्पेस गए थे। अब उस परंपरा को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी, आप सबकी है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना ने केवल भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों तक भी अपनी छाप छोड़ी है। भारतीय वायु सेना ने अनेक बचाव अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने में भी अहम भूमिका निभाई है। वायु सेना ने कई अवसरों पर विदेशी नागरिकों को भी सुरक्षित निकालने में भी मदद की।रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं विशेष रूप से महिला पायलटों को बधाई देता हूं, जो आज भारतीय वायुसेना में कमीशन हो रही हैं। नारी शक्ति की बहुसंख्यक संख्या से, हमारी वायुसेना और भी स्ट्रैटजी, संतुलित और मजबूत हो रही है। यह हमारी समावेशी बल की ताकतों को परिभाषित करता है। हमारी वायु सेना और भी मानक, संतुलित और मजबूत हो रही है।

दिल्लीवासियों को लगेगा झटका! 1 से 3.30% महंगी हो सकती है बिजली; जानें किन लोगों पर पड़ेगा असर

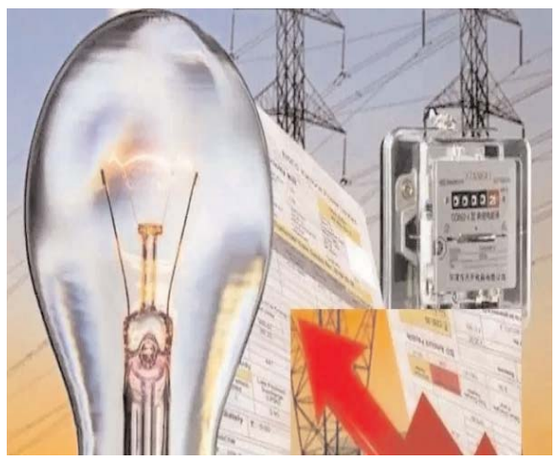

नई दिल्ली, (आरएनएस) । दिल्ली के बिजली उपभोक्ताओं को जल्द ही बिजली दरों में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बिजली शुल्क में लगभग 1 प्रतिशत से 3.30 प्रतिशत तक की वृद्धि होने की संभावना है। हालांकि, इस प्रस्तावित बढ़ोतरी का असर सभी उपभोक्ताओं पर समान रूप से नहीं पड़ेगा। जानकारी के मुताबिक, 0 से 200 यूनिट और 200 से 400 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को फिलहाल राहत मिल सकती है, यानी उनके बिलों पर इसका कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। वहीं, 500 यूनिट से अधिक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई दरों का सीधा असर झेलना पड़ सकता है। ऐसे उपभोक्ताओं के बिजली बिल पहले की तुलना में अधिक आने की संभावना है।

13 प्रतिशत की उड़ान, सुशासन और विकास की पहचान- अंजुम आरा

पटना, (ए.)। जद (यू) की प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा ने जारी बयान में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जारी बिहार आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों में राज्य की प्रति व्यक्ति आय में 13 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि बिहार के सुशासन, समावेशी विकास और जनकल्याणकारी नीतियों की ऐतिहासिक सफलता का स्पष्ट प्रमाण है। यह उपलब्धि केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बिहार के विकास के प्रति वर्षों से किए गए सतत प्रयासों और उनके दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से ही नीतीश कुमार ने बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए एक स्पष्ट और दीर्घकालिक रोडमैप तैयार किया। कानून-व्यवस्था में व्यापक सुधार, सड़कों एवं पुलों का अभूतपूर्व निर्माण, गांव-गांव बिजली की पहुंच, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु विशेष पहल, पंचायती राज संस्थाओं को मजबूती तथा गरीब और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं ने राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान की है। आज बिहार की आर्थिक प्रगति के जो सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं, वे माननीय नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच, दृढ़ इच्छाशक्ति और विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। सुशासन के मॉडल ने बिहार को पिछड़ेपन की छवि से निकालकर विकास और संभावनाओं के नए युग में प्रवेश कराया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय के कारण बिहार में निवेश, उद्योग, रोजगार और आधारभूत संरचना विकास के नए अवसर सृजित हुए हैं। इससे राज्य की विकास यात्रा को और अधिक मजबूती मिली है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में 295 करोड़ रुपये से ज़्यादा की लागत वाली 319 जन-कल्याणकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

रियल एस्टेट घोटाले में 9 मामलों का फरार घोषित अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली,(आरएनएस) । दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्ल्यू) ने रियल एस्टेट क्षेत्र में हुए बड़े धोखाधड़ी के 9 मामलों में फरार घोषित अपराधी शिव नंदन सिंह यादव को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कई वर्षों से पुलिस की गिरफ्त से बच रहा था। उसकी गिरफ्तारी को ईओडब्ल्यू की बड़ी सफलता माना जा रहा है।पुलिस के अनुसार, शिव नंदन सिंह यादव ने अपनी कंपनी जीआरपीएल ग्लोब रियलिटी प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से वर्ष 2013 में हरियाणा के ग्रेटर फरीदाबाद के तिलोरी खादर गांव में 'कृष्ण कुंज टाउनशिप' नाम से एक हाउसिंग प्रोजेक्ट शुरू किया था। कंपनी ने आकर्षक विज्ञापनों और झूठे आश्वासनों के जरिए लोगों को लुभाया। प्रोजेक्ट में करीब 10.26 एकड़ जमीन पर 496 रिहायशी प्लॉट विकसित करने का दावा किया गया था।आरोप है कि कंपनी ने निवेशकों से भारी रकम जमा की, लेकिन न तो जमीन कानूनी रूप से उपलब्ध थी और न ही प्रोजेक्ट का कोई विकास कार्य किया गया। नतीजतन सैकड़ों निवेशकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। इस मामले में दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट के शाहदरा जिले में वर्ष 2019 में कुल 9 एफआईआर दर्ज की गई थीं। सभी मामलों में धोखाधड़ी का तरीका एक समान था।शिव नंदन सिंह यादव 2019 से ही फरार चल रहा था। बार-बार छापेमारी और खोजबीन के बावजूद वह पुलिस की पकड़ से बचता रहा। वर्ष 2023 में अदालत ने उसे सभी 9 मामलों में घोषित अपराधी घोषित कर दिया था।आईईओडब्ल्यू की टीम ने आरोपी की लगातार निगरानी की। खुफिया जानकारी और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर 12 जून 2026 को फरीदाबाद (हरियाणा) से उसे सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी में एसआई प्रवीण कुमार, मोहित, कुलदीप और एएसआई दिलीप सिंह की टीम शामिल रही।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम हुआ सुहाना, चार दिनों तक गर्मी से राहत के आसार; येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मौसम का मिजाज लगातार बदला हुआ है। भारतीय मौसम विभाग ने शुक्रवार 13 जून के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद समेत पूरे एनसीआर में तेज हवाओं, गरज-चमक, आंधी और हल्की बारिश की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले चार दिनों तक मौसम अपेक्षाकृत सुहावना बना रहेगा, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और लू से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के स्थानीय पूर्वानुमान के अनुसार, 13 जून को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दिन और शाम के समय हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके बाद, 14 जून को अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने इस दिन आंशिक रूप से बादल छाए रहने तथा गरज-चमक विकसित होने की संभावना जताई है। 15 जून को तापमान 39/25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे और कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है। वहीं, 16 जून को अधिकतम तापमान 40 डिग्री तथा न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन भी बादलों के बीच कहीं-कहीं गरज-चमक की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।

इसी तरह, 17 और 18 जून को भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दोनों दिनों में मौसम विभाग ने आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना जताई है और फिलहाल किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम में आए बदलाव का सकारात्मक असर वायु गुणवत्ता पर भी देखने को मिल रहा है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण तंत्र के ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली-नोएडा के अधिकांश मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई ग्रीन और संतोषजनक श्रेणी में दर्ज किया गया है। दिल्ली के प्रमुख स्टेशनों में अलीपुर 61, आनंद विहार 100, अशोक विहार 80, बवाना 92, बुराड़ी क्रॉसिंग 78, कैंटोनमेंट एरिया 71, चांदनी चौक 85, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स 67, सीआरआरआई मथुरा रोड 71 और डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज 54 एक्यूआई दर्ज किया गया।

वहीं, नोएडा के चारों सक्रिय स्टेशनों पर भी वायु गुणवत्ता काफी बेहतर रही। सेक्टर-125 में एक्यूआई 73, सेक्टर-62 में 72, सेक्टर-1 में 81 और सेक्टर-116 में 73 दर्ज किया गया। ये सभी आंकड़े संतोषजनक श्रेणी में हैं।

लगातार हो रही बारिश, तेज हवाओं और वातावरण में नमी बढ़ने के कारण प्रदूषण के स्तर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल एनसीआर के अधिकांश क्षेत्रों में हवा की गुणवत्ता सामान्य से कहीं बेहतर है और लोगों को पहाड़ी इलाकों जैसी अपेक्षाकृत स्वच्छ हवा का अनुभव हो रहा है।

भांजी से बात करने की खौफनाक सजा, मामाओं ने बीच सड़क पर युवक पर चढ़ा दी कार

जूनागढ़ ,(आरएनएस)। गुजरात के जूनागढ़ जिले से एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवक को लड़की से बात करना इतना भारी पड़ गया कि उसे जानलेवा हमले का शिकार होना पड़ा। लड़की के मामाओं को युवक का उनकी भांजी से बात करना बिल्कुल पसंद नहीं था। इसी रंजिश के चलते मामाओं ने बीच सड़क पर फिल्मी स्टाइल में युवक की बाइक को अपनी तेज रफ्तार कार से रौंद डाला। शुरुआत में यह पूरा मामला एक सामान्य सड़क हादसा लग रहा था, लेकिन जब पुलिस के हाथ घटनास्थल का सीसीटीवी फुटेज लगा, तो इस खौफनाक साजिश की पूरी सच्चाई दुनिया के सामने आ गई।

हादसे की आड़ में रची गई थी हत्या की खौफनाक साजिश

दिल दहला देने वाली यह घटना जूनागढ़ जिले के मांगरोल इलाके की है। बीते 10 जून को मांगरोल-कामनाथ रोड पर दो युवक अपनी बाइक से कहीं जा रहे थे। तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों युवक उछलकर सड़क पर गिर पड़े और कार सवारों ने उन्हें कुछ दूर तक घसीटा भी। इस

जानलेवा हमले में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत ही गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

सीसीटीवी कैमरे ने खोल दिया झूठे एक्सीडेंट का राज

इस घटना को अंजाम देने के बाद आरोपियों को लगा था कि इसे कोई भी एक आम सड़क दुर्घटना ही समझेगा। पुलिस भी शुरुआत में इसे दुर्घटना मानकर ही जांच कर रही थी, लेकिन जब इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई तो कहानी ही पलट गई। फुटेज में साफ दिखाई दे रहा था कि कार सीधे बाइक की तरफ बढ़ती है और जानबूझकर उसे रौंद देती है। जांच अधिकारियों ने दावा किया है कि यह कोई टक्कर नहीं थी, बल्कि बाइक सवारों को जान से मारने के इरादे से किया गया सीधा हमला था।

चेतावनी न मानने पर दिया वारदात को अंजाम, दोनों आरोपी गिरफ्तार

जांच आगे बढ़ने पर पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से आरोपियों की पहचान शेपा गांव के रहने वाले याकूब घमेरिया और अनवर घमेरिया के रूप में की, जो रिश्ते में उस युवती के सगे मामा हैं। पुलिस की तफ्तीश में सामने आया है कि पीड़ित युवक और आरोपियों की भांजी के बीच बातचीत होती थी, जिससे दोनों मामा बेहद खफा थे। उन्होंने पहले भी युवक को धमकी देकर भांजी से दूर रहने की चेतावनी दी थी। जब युवक ने उनकी बात नहीं मानी, तो उन्होंने उसे रास्ते से हटाने के लिए इस सड़क हादसे का खूनी प्लान बना डाला। सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मांगरोल पुलिस ने इस मामले में हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपी मामाओं को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस उनसे सख्ती से पूछताछ कर रही है।

CM रेखा गुप्ता के नेतृत्व में 14 जून को 28 घाटों पर आयोजित होगा 'मां यमुना तट स्वच्छता अभियान'

नई दिल्ली(आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार रविवार 14 जून को यमुना नदी के 28 घाटों पर 'मां यमुना तट स्वच्छता अभियान' का आयोजन करेगी। 'एक संकल्प - स्वच्छ यमुना' के संदेश के साथ आयोजित होने वाला यह महाअभियान यमुना नदी को उसका गौरव लौटाने, नदी तटों को स्वच्छ बनाने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और जनभागीदारी को एक व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगा। इस अभियान में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं ठोकर नंबर-14 गीता कॉलोनी घाट पर उपस्थित रहकर स्वच्छता अभियान का नेतृत्व करेंगी और हजारों नागरिकों के साथ श्रमदान कर स्वच्छ, निर्मल और जीवनदायिनी यमुना के संकल्प को मजबूत करेंगी। इस अभियान में दिल्ली के सांसद, सरकार के मंत्री व अन्य गणमान्यजन भी भागीदारी करेंगे। यह विशेष अभियान यमुना के घाटों पर सुबह 6 बजे से आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यमुना केवल नदी नहीं, बल्कि दिल्ली की सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यावरणीय धरोहर है। यमुना का संरक्षण और उसकी स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व भी है।

नेपाल में सड़क किनारे खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस, आठ की मौत और 16 घायल

काठमांडू (ए.)। नेपाल के सेंट्रल कवरेपालनचोक जिले के बुच्चाकोट इलाके में बीपी हाईवे के पास सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। बीपी हाईवे के पास एक पैसेंजर बस सड़क किनारे खाई में गिर गई। जिला प्रशासन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना मिलने पर राहत और बचाव अभियान चलाया गया।कवरेपालनचोक के जिला प्रमुख गोपाल कुमार अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि बस में सवार कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 घायल यात्रियों का जिले के धुलीखेल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। अधिकारी ने कहा, "घायलों में से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है।" घटना के बाद, पुलिसवालों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर घायलों को बचाया और हॉस्पिटल पहुंचाया। बस कावरेपालनचोक के बनेपा से सुंगुरे जा रही थी। इसी दौरान शुक्रवार दोपहर नमोबुद्धा म्युनिसिपैलिटी के बुच्चाकोट में एक खाई में गिर गई। अधिकारी ने बताया कि बस हाईवे से करीब 300 मीटर नीचे गिर गई। दुर्घटना का कारण अभी तक पता नहीं

चला है।हाल के सालों में नेपाल में सड़क हादसों में बढ़ोतरी देखी गई है, साथ ही सड़कों पर गाड़ियों की संख्या भी बढ़ी है। एक दशक पहले, नेपाल ट्रैफिक पुलिस ने 4,999 सड़क हादसों की रिपोर्ट दी थी। आधिकारिक डेटा के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश में 7,669 सड़क हादसे और 1,900 मौतें दर्ज की गईं। कुल हादसों में से 278 को गंभीर श्रेणी में रखा गया। बड़ी संख्या में लोगों की मौत के अलावा, सड़क सुरक्षा के मामलों का बड़ा आर्थिक प्रभाव भी पड़ता है। नेपाल में वर्ल्ड बैंक के एक अध्ययन में पाया गया कि सड़क हादसों के कारण आर्थिक लागत 2007 से तीन गुना बढ़ गई है। अब यह देश के सकल राष्ट्रीय उत्पाद का 1.5 फीसदी है। हादसों का गरीबों पर भी बहुत बुरा और बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ता है। वर्ल्ड बैंक ने कहा कि नेपाल में सड़क हादसों में होने वाली सभी मौतों में से 70 फीसदी से ज्यादा में पैदल चलने वाले, साइकिल चलाने वाले और मोटरसाइकिल चलाने वाले जैसे लोग शामिल होते हैं।

पहले अंतरिम डील होगी लागू, फिर परमाणु मुद्दे पर करेंगे बातः अब्बास अराघची

तेहरान, (ए.)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका के साथ होने वाली संभावित शांति वार्ता कोई अंतिम परमाणु समझौता नहीं होगी। यह पहले एक अंतरिम समझौता होगा, जिसे लागू करने के बाद ही दोनों देश परमाणु कार्यक्रम पर औपचारिक बातचीत शुरू करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने बताया कि प्रस्तावित समझौते में होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलना, जारी संघर्ष को खत्म करना और अमेरिका-ईरान का एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में दखल न देने का वादा शामिल है। उन्होंने बताया कि समझौते के मसौदे में 14 बिंदु हैं। उन्होंने कहा कि परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर बातचीत दूसरे चरण में होगी, जो 60 दिनों तक चलेगी। उन्होंने आगे कहा, होर्मुज स्ट्रेट का संचालन अब युद्ध से पहले जैसा नहीं रहेगा। इस अहम जलमार्ग पर ईरान और ओमान का अधिकार है और ईरान यहां से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेगा।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पुष्टि की कि अमेरिका के साथ प्रस्तावित युद्धविराम (सीजफायर) समझौते में ईरान की जब्त और फ्रीज की गई संपत्तियों को चरणबद्ध तरीके से मुक्त करने का प्रावधान शामिल है। हालांकि, समझौते के अंतिम स्वरूप और संपत्तियों की रिहाई की शर्तों पर अभी भी बातचीत जारी है। वहीं, होर्मुज को लेकर दोहराया कि प्रशासन अब युद्ध-पूर्व व्यवस्था के तहत नहीं चलेगा और यहां प्रदान की जाने वाली सेवाओं के लिए शुल्क वसूला जाएगा।

अराघची ने कहा, होर्मुज प्रशासन युद्ध से पहले की स्थिति में वापस नहीं जाएगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों के लिए नई प्रशासनिक और सेवा संबंधी व्यवस्थाएं लागू की जाएंगी।

कांगो में इबोला के मामलों की संख्या बढ़कर 689 हुई, मृतकों की संख्या 139 पहुंची

किंशासा, (ए.)। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो (डीआरसी) में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 689 हो गई है, जिनमें 139 लोगों की मौत शामिल है। यह जानकारी स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा जारी नवीनतम स्थिति रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को 17 नए पुष्ट मामले सामने आए, जिनमें पांच मौतें शामिल हैं। ये सभी मामले पूर्वी प्रांत इटुरी में दर्ज किए गए। इबोला वायरस के बुंडिबुग्यो स्ट्रेन से फैले इस प्रकोप ने पूर्वी क्षेत्र के तीन प्रांतों- इटुरी, नॉर्थ किवू और साउथ किवू के 29 स्वास्थ्य क्षेत्रों को प्रभावित किया है। गुरुवार तक 168 संदिग्ध मामले भी दर्ज किए गए थे, जिनमें 64 लोगों की मौत हो चुकी है। रिपोर्ट में कई परिचालन चुनौतियों का भी उल्लेख किया गया है, जिनमें मृत्यु के बाद नमूना परीक्षण (पोस्ट-मॉर्टम स्वैबिंग) कराने में लोगों की अनिच्छा, इबोला उपचार केंद्रों की सीमित क्षमता, नॉर्थ किवू में संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण सामग्री की कमी, तीनों प्रांतों में चेतावनी एवं निगरानी रिपोर्टिंग प्रणाली की कमजोरी तथा 2.15 करोड़ डॉलर (21.5 मिलियन डॉलर) की वित्तीय कमी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) द्वारा गुरुवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, इटुरी में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (आईडीपी) के एक शिविर में इबोला से संबंधित दो मौतें दर्ज की गई हैं। वर्तमान प्रकोप को डीआरसी के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 15 मई को आधिकारिक रूप से घोषित किया था।रिपोर्ट के अनुसार, 1976 में वायरस की पहचान होने के बाद से यह देश में इबोला का 17वां प्रकोप है। मई 2026 में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा दोनों में इबोला प्रकोप की पुष्टि हुई थी। इस बार फैला बुंडिबुग्यो प्रजाति का इबोला ऐसा प्रकार है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत टीका या विशेष उपचार उपलब्ध नहीं है, हालांकि संभावित वैक्सीन और उपचारों के परीक्षण जारी हैं।

हिंदू धार्मिक परिसर को नुकसान पहुंचाने की धमकियों से बढ़ा विवाद

राम, कृष्ण और शिव प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाने की धमकियों के दावे

ढाका,(ए.)। बांग्लादेश के रंगपुर डिवीजन के गाइबांधा जिले में स्थित एक प्रमुख हिंदू धार्मिक परिसर को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मीडिया रिपोर्टों और स्थानीय सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि कुछ कट्टरपंथी समूह परिसर में स्थापित राम, कृष्ण और शिव की प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाने तथा परिसर के विस्तार का विरोध कर रहे हैं। इन दावों के बाद क्षेत्र के हिंदू समुदाय और श्रद्धालुओं के बीच चिंता का माहौल है। होसैनपुर यूनियन के रामचंद्रपुर गांव में स्थित यह धार्मिक परिसर पिछले कुछ वर्षों में एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभरा है। स्थानीय समाजसेवी हरिदास बाबू की पहल से शुरू हुई यह परियोजना अब एक विशाल धार्मिक परिसर का रूप ले चुकी है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस परिसर की प्रमुख पहचान लगभग 50 फीट ऊंची भगवान कृष्ण की प्रतिमा है, जिसे बांग्लादेश की सबसे ऊंची कृष्ण प्रतिमा बताया जाता है। इसका उद्घाटन नवंबर 2025 में भारत के सहायक उच्चायुक्त मनोज कुमार द्वारा किया गया था। इसके बाद से यह स्थल धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन गया है।मंदिर समिति की दीर्घकालिक योजना के तहत परिसर में भगवान राम, भगवान शिव सहित विभिन्न देवी-देवताओं की कुल 144 प्रतिमाएं स्थापित करने और अन्य धार्मिक संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना के समर्थकों का कहना है कि यह बांग्लादेश की सांस्कृतिक विविधता और धार्मिक सह-अस्तित्व का प्रतीक है। विवाद के बीच सरकार की ओर से अब तक कोई विस्तृत सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इसी कारण राजनीतिक और सामाजिक हलकों में यह सवाल उठ रहा है कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाएगा और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कार्रवाई की जाएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि मामला केवल एक धार्मिक परिसर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह धार्मिक स्वतंत्रता, अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से भी जुड़ा हुआ है। बांग्लादेश का संविधान सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। ऐसे में किसी भी धार्मिक स्थल या प्रतीक के खिलाफ हिंसा या तोड़फोड़ की धमकियां प्रशासन के लिए गंभीर चुनौती मानी जा रही हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप का दावा-अमेरिकी सेना ने मार गिराया ट्रेन डी अरागुआ का नेता

वाशिंगटन (ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के अपराधी गिरोह ट्रेन डी अरागुआ के नेता के मारे जाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के साथ मिलकर किए गए एक सैन्य ऑपरेशन में ट्रेन डी अरागुआ के कथित नेता को मार गिराया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, मेरे निर्देश पर अमेरिकी सदर्न कमांड ने एक तेज और घातक हमला किया, जिसमें ट्रेन डे अरागुआ के कुख्यात नेता नीनो गुरेरो को मार गिराया गया। ट्रेन डे अरागुआ सबसे खूंखार आतंकवादी संगठनों में से एक है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, मेरे दोबारा पद संभालने से पहले, जो बाइडेन ने हमारी दक्षिणी सीमा को लाखों अवैध अपराधियों के लिए खोल दिया था और इस विदेशी गिरोह को अमेरिकी नागरिकों के साथ बलात्कार, अंग-भंग और हत्या जैसे जघन्य अपराध करने की खुली छूट दे दी थी। अपने चुनाव अभियान के दौरान मैंने वादा किया था कि मैं इन राक्षसों को हमारे देश से बाहर निकालूंगा और उन परिवारों को न्याय दिलाऊंगा जिनके प्रियजनों की उन्होंने हत्या की।इस दौरान, राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ लोगों के नाम गिनाए और कहा, इस कार्रवाई से अमेरिकी सेना ने उनके, उनके परिवारों और उनके चाहने वालों के लिए बदला लिया है।ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की नीतियों की भी आलोचना की। उन्होंने पोस्ट में लिखा, अपने कार्यकाल की शुरुआत में ही, मैंने ट्रेन डे अरागुआ को आतंकवादी संगठन घोषित करने, हजारों खतरनाक अपराधियों को देश से बाहर निकालने और उन गिरोहों के खिलाफ जंग छेड़ने का अपना वादा पूरा किया, जो लंबे समय से हमारे नागरिकों के खिलाफ युद्ध लड़ रहे थे, जबकि कमजोर नेताओं ने अमेरिका को बेबस और रक्षात्मक स्थिति में छोड़ दिया था।

फीचर

बर्तन धोने के लिए स्टील, प्लास्टिक या स्पंज वाला स्क्रबर? जानिए कौन-सा है सही विकल्प

बर्तन धोने के लिए स्क्रबर का इस्तेमाल करना आम है, लेकिन सही स्क्रबर का चयन करना जरूरी है। बाजार में स्टील, प्लास्टिक और स्पंज स्क्रबर जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं। इन तीनों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। इस लेख में हम इन तीनों स्क्रबर के बारे में विस्तार से जानेंगे, ताकि आप अपने बर्तनों को सही तरीके से धो सकें और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रख सकें। आइए जानते हैं किसका चयन सबसे सही है।

कब करना चाहिए स्टील स्क्रबर का इस्तेमाल?

स्टील स्क्रबर उन बर्तनों के लिए सबसे अच्छा होता है, जिनमें जिद्दी चिपचिपे दाग लग जाते हैं। यह स्क्रबर आसानी से इन दागों को हटाता है और आपके बर्तनों को चमकदार बनाता है। हालांकि, इसका उपयोग कांच या नॉन-स्टिक बर्तनों पर न करें, क्योंकि इससे खरोंच आ सकती है। स्टील स्क्रबर का चयन करते समय उसकी मोटाई पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को सुरक्षित रख सके।

प्लास्टिक स्क्रबर के फायदे और नुकसान

प्लास्टिक स्क्रबर हल्के होते हैं और इन्हें इस्तेमाल करना आसान होता है। ये स्क्रबर छोटे-छोटे कोनों तक पहुंच सकते हैं और बर्तनों को अच्छे से साफ कर सकते हैं। हालांकि, प्लास्टिक स्क्रबर जल्दी गंदे हो जाते हैं और इन्हें बार-बार बदलना पड़ता है। प्लास्टिक स्क्रबर का चयन करते समय उसकी गुणवत्ता पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को अच्छी तरह साफ कर सके।

कब चुनना चाहिए स्पंज स्क्रबर?

स्पंज स्क्रबर नरम होते हैं और इन्हें इस्तेमाल करना बहुत आरामदायक होता है। ये स्क्रबर न केवल बर्तनों को साफ करते हैं, बल्कि उनमें खरोंच भी नहीं लगने देते। स्पंज स्क्रबर का चयन करते समय उसकी मोटाई पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को अच्छी तरह से साफ कर सके। स्पंज स्क्रबर का उपयोग कांच और नॉन-स्टिक बर्तनों पर किया जा सकता है।

बर्तनों को धोने का सही तरीका

बर्तन धोते समय सबसे पहले गर्म पानी का इस्तेमाल करें, क्योंकि यह चिकनाई और गंदगी को आसानी से हटाता है। इसके बाद साबुन या बर्तन धोने वाले तरल का उपयोग करें और फिर स्क्रबर का चयन करें, जो आपके बर्तनों के प्रकार के अनुसार हो। अंत में साफ पानी से धोकर बर्तनों को सूखने दें। इस प्रक्रिया से न केवल आपके बर्तन साफ रहेंगे, बल्कि लंबे समय तक टिकाऊ भी रहेंगे।

कौन-सा स्क्रबर है ज्यादा टिकाऊ?

तीनों प्रकार के स्क्रबर अपनी-अपनी जगह पर उपयोगी होते हैं, लेकिन स्टील स्क्रबर सबसे ज्यादा टिकाऊ होता है। हालांकि, इसका उपयोग कांच या नॉन-स्टिक बर्तनों पर न करें, क्योंकि इससे खरोंच आ सकती है। प्लास्टिक और स्पंज स्क्रबर, दोनों ही हल्के होते हैं और छोटे-छोटे कोनों तक पहुंच सकते हैं। हालांकि, प्लास्टिक स्क्रबर जल्दी गंदे हो जाते हैं, जबकि स्पंज स्क्रबर अधिक आरामदायक होते हैं। सही स्क्रबर का चयन आपके बर्तनों को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकता है।

सोशल मीडिया के दबाव पर छलका कृति खरबंदा का दर्द, बोलीं- खुद को बेहतर दिखाने की होड़ में फंसे युवा

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने सोशल मीडिया के कारण युवाओं पर बढ़ रहे मानसिक और भावनात्मक दबाव को लेकर चिंता जाहिर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट शेयर करते हुए बताया कि हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान उनकी मुलाकात कुछ ऐसे युवाओं से हुई, जो इस डिजिटल दुनिया के दबाव में बुरी तरह फंसे हुए हैं। अभिनेत्री ने लिखा, आज मैं कुछ लोगों से मिली। वे सभी भावनात्मक, शारीरिक और मानसिक रूप से बुरी तरह थके हुए थे। काम बहुत मुश्किल और अनिश्चित भरा था। वे सभी सोशल मीडिया पर मौजूद रहने और उसे बनाए रखने के दबाव के बारे में शिकायत कर रहे थे। उन सभी लोगों के मन में बड़े-बड़े सपने हैं और उन्हें पूरा करने का जज्बा भी, लेकिन सोशल मीडिया इसमें रुकावट बनता रहता है। इस बीच, मैंने एक बात महसूस की कि उन सभी में एक बात समान थी कि वे इंटरनेट पर लगातार एक्टिव रहने और खुद को बेहतर दिखाने की होड़ में फंसे हुए थे। अभिनेत्री ने आगे लिखा, युवा लगातार दूसरों से अपनी तुलना कर रहे हैं। वे न चाहते हुए भी बस कुछ न कुछ पोस्ट करने के दबाव में जी रहे हैं। इनमें से कई लोग अपनी निजी जिंदगी को सोशल मीडिया से दूर रखना चाहते थे, लेकिन उन्हें डर था कि ऐसा करने से वे दूसरों की नजरों से कम आकर्षक लगने लगेंगे।

इस बात पर दुख जताते हुए कृति ने लिखा, यह देखकर मेरा दिल बैठ गया। काश लोग समझ पाते कि सोशल मीडिया जिंदगी का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा है, पूरी जिंदगी नहीं। अगर सोशल मीडिया न भी हो, तब भी एक खूबसूरत और सुकूनभरी जिंदगी जी जा सकती है।कृति ने युवाओं से अपनी मानसिक शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने लिखा, हमें अपनी निजी बातें शेयर न करने और लोगों को अपनी जिंदगी में शामिल न करने को पूरी तरह नॉर्मल मानना चाहिए। किसी भी इंसान की कीमत उसके सोशल मीडिया एकाउंट से तय नहीं होनी चाहिए। मुझे पता है कि यह शायद शिकायत जैसा लग रहा है, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि बहुत से लोग ऐसा ही सोच रहे हैं।

हैंड ब्लेंडर से आप झटपट बना सकते हैं ये व्यंजन, स्वाद में होते हैं लाजवाब

हैंड ब्लेंडर एक ऐसा रसोई उपकरण है, जो आपके खाना पकाने के अनुभव को काफी आसान और मजेदार बना सकता है। यह उपकरण खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो कम समय में स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बनाना चाहते हैं। आइए आज हम आपको ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप आसानी से हैंड ब्लेंडर से बना सकते हैं। ये जल्दी बन जाते हैं और सभी को पसंद भी आते हैं।

आम रस

गर्मी के साथ-साथ आम का सीजन भी चल रहा है। इस दौरान आप लजीज आम रस का स्वाद चख सकते हैं, जो हैंड ब्लेंडर से आसानी से बन जाएगा। इसे बनाने के लिए पहले ताजा आम की गुठली अलग करें और उन्हें हैंड ब्लेंडर से पीस लें। अब इस मलाईदार मिश्रण में इलायची

पाउडर, चीनी, पानी और अन्य मसाले डालकर इसे परोसें। इसे आप पूड़ी के साथ खा सकते हैं या ऐसे ही पी सकते हैं।

पालक की चटनी

पालक की चटनी एक सेहतमंद और स्वादिष्ट चटनी है, जिसे आप चावल या रोटी के साथ खा सकते हैं। इसके लिए आपको ताजा पालक की पत्तियों, हरी मिर्च, अदरक, लहसुन, नमक और नींबू का रस चाहिए होंगी। सभी सामग्रियों को अपने हैंड ब्लेंडर में डालकर अच्छी तरह मिलाएं, जब तक कि यह एकदम चिकना न हो जाए। यह चटनी खाने का स्वाद बढ़ाएगी और सेहत के लिए भी फायदेमंद होगी।

आम का पन्ना

गर्मियों में आम का पन्ना एक बेहतरीन पेय है, जो आपको तरोताजा रखता है। इसके लिए कच्चे आम को उबालकर उसका गूदा निकाल लें। फिर इसमें पुदीना, काला नमक, जीरा पाउडर और चीनी डालकर हैंड ब्लेंडर से मिलाएं, जब तक कि यह एकदम चिकना न हो जाए। इसे ठंडा करके परोसें और बर्फ डालकर इसके स्वाद को और बढ़ा दें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि आपको गर्मी से भी राहत दे सकता है।

मूंगफली की चटनी

मूंगफली की चटनी दक्षिण भारत के व्यंजनों में बहुत लोकप्रिय है। इसे बनाने के लिए भुनी हुई मूंगफली, नारियल, हरी मिर्च, अदरक और नमक चाहिए। सभी सामग्री को हैंड ब्लेंडर में डालकर अच्छी तरह मिलाएं, जब तक कि यह एकदम चिकना न हो जाए। यह चटनी इडली, डोसा या किसी भी स्नैक के साथ बहुत अच्छी लगती है।

बलरामपुर : आधुनिक खेती ने बदली लतिका की तकदीर, बनीं 'लखपति दीदी'

बलरामपुर, (ए.)। शनिवार को महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन की एक प्रेरणादायक कहानी सामने आई, जहां स्व-सहायता समूह से जुड़कर एक ग्रामीण महिला ने आधुनिक खेती के दम पर अपनी आर्थिक स्थिति बदल दी। जिले के राधाकृष्णनगर की निवासी लतिका सिदार आज 'लखपति दीदी' के रूप में पहचान बना चुकी हैं और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही हैं। लतिका सिदार की सफलता की शुरुआत राधाकृष्ण स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद हुई। समूह के माध्यम से उन्हें सामुदायिक संसाधन व्यक्ति (सीआरपी) के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर आधुनिक कृषि तकनीकों, आजीविका संवर्धन और उद्यमिता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।प्रशिक्षण से मिली सीख को उन्होंने व्यवहार में उतारते हुए अपनी एक एकड़ कृषि भूमि में ड्रिप इरिगेशन, मल्चिंग और उन्नत बागवानी तकनीकों का उपयोग शुरू किया। खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए उन्होंने स्व-सहायता समूह से ऋण लेकर खेत में ड्रिप सिंचाई प्रणाली और मल्चिंग की व्यवस्था की। इन आधुनिक तकनीकों का सकारात्मक परिणाम जल्द ही सामने आया। मिर्च, बरबट्टी सहित अन्य बागवानी फसलों का उत्पादन बढ़ा, सिंचाई के लिए पानी की बचत हुई और खेती की लागत में भी कमी आई। बेहतर उत्पादन और बढ़ी हुई उपज ने उनकी आमदनी को नई ऊंचाई दी।आज लतिका की वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक हो चुकी है। कृषि और अन्य आजीविका गतिविधियों से होने वाली इस आय ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया है। अब वे न केवल परिवार की जरूरतें आसानी से पूरी कर रही हैं, बल्कि बच्चों की शिक्षा और भविष्य के लिए भी निवेश कर रही हैं। लतिका सिदार बताती हैं कि स्व-सहायता समूह ने उन्हें आत्मविश्वास, अवसर और आगे बढ़ने का मंच दिया। उनका कहना है कि भविष्य में वे अपनी खेती को पूरी तरह जैविक स्वरूप देना चाहती हैं, ताकि बेहतर उत्पादन के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे सकें।जिले में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसका सकारात्मक प्रभाव यह है कि महिलाएं आत्मनिर्भर बनते हुए स्वरोजगार के नए आयाम स्थापित कर रही हैं। लतिका सिदार की सफलता इसी बदलाव की एक मिसाल है, जो दर्शाती है कि सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और मेहनत के बल पर ग्रामीण महिलाएं आर्थिक सशक्तिकरण की नई कहानी लिख सकती हैं।

पुलिस कप्तान की बड़ी प्रशासनिक सर्जरीः तेज यादव को दर्री की कमान, हरदीबाजार भेजे गए आशीष सिंह

कोरबा (आरएनएस)। पुलिसिंग को और अधिक धारदार बनाने के लिए कोरबा कप्तान सिद्धार्थ तिवारी ने शुक्रवार देर शाम एक बड़ा आदेश जारी किया है। इस तबादला सूची में क्षेत्र के कई दिग्गजों के कार्यक्षेत्र बदल दिए गए हैं। सूत्रधार की माने तो निरीक्षक तेज यादव को दर्री जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र की कमान सौंपी गई है। उनके कंधों पर अब दर्री पुलिस की छवि को और अधिक 'तेज' और जनता के बीच विश्वसनीय बनाने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। वहीं निरीक्षक आशीष सिंह दर्री से हटाकर आशीष सिंह को हरदीबाजार भेजा गया है। हरदीबाजार क्षेत्र में पैर पसार रहे जुआरियों के नेटवर्क को ध्वस्त करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। हाल ही में जुआरियों के शागिर्दों पर शिकंजा कसने वाले प्रमोद डडसेना को इस फेरबदल में लाइन का रास्ता दिखाया गया है। उन्हें लाइन में पदस्थ किया गया है, जो इस तबादले का सबसे चैंकाने वाला पहलू माना जा रहा है।

प्रशासन ने की बड़ी कार्रवाईः अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, सड़क निर्माण में बाधक मकान ढहाए

कोरबा (आरएनएस)। जिले में अवैध कब्जों के खिलाफ प्रशासन ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों पर बुलडोजर चलाया। इस दौरान शासकीय भूमि और सड़क निर्माण में बाधा बने अतिक्रमणों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान दोनों स्थानों पर भारी पुलिस बल तैनात रहा।

पहली कार्रवाई कनकी-तरदा मुख्य मार्ग पर बरपाली तहसीलदार सत्यपाल राय के नेतृत्व में की गई। प्रशासनिक टीम जब मौके पर पहुंची तो वहां पाया गया कि सिंचाई विभाग की शासकीय भूमि पर अवैध रूप से मकान और दुकानें बनाकर कब्जा किया गया था। इतना ही नहीं, कुछ लोगों द्वारा जमीन की प्लाटिंग कर उसकी खरीद-बिक्री भी की जा रही थी।

प्रशासन के अनुसार, इस मामले में करीब 85 मकान मालिकों को पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका था। नोटिस मिलने के बावजूद कब्जा नहीं हटाने पर शुक्रवार सुबह तीन मकानों और दुकानों को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिससे कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया।

आवारा पशु व नकली खाद-बीज व नशे पर कड़ी कार्रवाई की मांग

धमतरी, (ए.)। खेती बचाओ आंदोलन समिति छत्तीसगढ़ ने किसानों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों की बुनियादी समस्याओं को लेकर सात सूत्रीय मांगों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम डिप्टी कलेक्टर मनोज मरकाम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में महंगाई, कृषि संकट, आवारा पशुओं की समस्या, खाद-बीज की कमी, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में अनियमितताओं तथा नशे के बढ़ते कारोबार पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। समिति ने इन सभी मुद्दों पर तत्काल, प्रभावी एवं कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

केंद्रीय समिति सदस्य टिकेश्वर साहू, प्रदेश प्रभारी सतवंत सिंह महिलांगे, रामविशाल साहू एवं दाऊ लाल साहू ने बताया कि वर्तमान समय में किसान, मजदूर और आम लोग कई बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिनका समय पर समाधान नहीं होने से जनआक्रोश लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आवारा पशुओं की समस्या विकराल रूप ले चुकी है, जिससे किसानों की फसलें व्यापक स्तर पर नष्ट हो रही हैं और सड़क दुर्घटनाओं में भी वृद्धि हो रही है। इस समस्या के समाधान के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय स्तर पर गौठान एवं पशु आश्रय केंद्रों के प्रभावी संचालन की आवश्यकता है।

बालको सामुदायिक विकास के लिए कटिबद्ध 'सामुदायिक विकास से बदल रही है गांवों की तस्वीर'

कोरबा(आरएनएस)। किसी भी उद्योग की वास्तविक सफलता केवल उसके उत्पादन या आर्थिक उपलब्धियों से नहीं मापी जाती, बल्कि उस सकारात्मक बदलाव से आंकी जाती है जो वह अपने आसपास के समुदायों के जीवन में लाता है। जब उद्योग और समुदाय एक-दूसरे के विकास के साझेदार बनते हैं, तब प्रगति का एक ऐसा मॉडल तैयार होता है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए समृद्धि और अवसरों के नए द्वार खोलता है।

बालको का मानना है कि क्षेत्र का विकास तभी सार्थक है, जब उसका लाभ स्थानीय समुदाय तक पहुंचे और लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन दिखाई दे। इसी सोच के साथ कंपनी शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। इन पहलों ने न केवल ग्रामीणों के जीवन को अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित बनाया है, बल्कि उद्योग और समुदाय के बीच विश्वास, सहयोग और साझेदारी के संबंधों को भी मजबूत किया है।

बलरामपुर : चरित्र शंका पर पत्नी की हत्या करने वाला आरोपित गिरफ्तार, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया

बलरामपुर(ए.)। बलरामपुर जिले के थाना सामरीपाठ पुलिस ने चरित्र शंका के आधार पर अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर उसकी हत्या करने वाले आरोपित को आज शनिवार को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। यह कार्रवाई अपराध क्रमांक 20/2026, धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत की गई।बलरामपुर पुलिस से आज जारी विज्ञप्ति के अनुसार, थाना सामरीपाठ क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मणपुर निवासी अर्जन राम उर्फ टावर नगेसिया (36 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया है।

मामले में मिली जानकारी के अनुसार, 11 जून को सूचक सुगदू बिरिजिया की मौखिक रिपोर्ट पर थाना सामरीपाठ में मर्ग क्रमांक 22/2026 दर्ज कर शव पंचनामा की कार्रवाई की गई थी।मर्ग जांच के दौरान पाया गया कि 10 मई 2026 को आरोपित अर्जन नगेसिया अपनी पत्नी बजन्ती बिरिजिया के साथ साप्ताहिक बाजार ग्राम टाटीझरिया गया था। बाजार से लौटते समय रास्ते में कुछ ग्रामीणों द्वारा आरोपी को यह बताया गया कि उसकी पत्नी किसी व्यक्ति के साथ पकरी पेड़ के नीचे देखी गई है। इस सूचना पर आरोपी द्वारा मौके पर पहुंचकर पत्नी को छन्दन बिरिजिया के साथ पाया गया, जिससे वह आक्रोशित हो गया। आरोपित ने चरित्र शंका के चलते अपनी पत्नी के साथ हाथ-मुक्का, पैर एवं डंडे से मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उपचार के दौरान 11 जून 2026 को बजन्ती बिरिजिया की मृत्यु हो गई।

गंदगी पर निगम की बड़ी कार्रवाई, 10 दुकानदारों पर लगाया जुर्माना

रायपुर (ए.)। नगर निगम जोन 5 ने गंदगी फैलाने की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए 10 दुकानदारों पर कुल 8800 रुपये का ई-जुर्माना लगाया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जीई रोड स्थित आश्रम चौक और लाखेनगर चौक क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान आश्रम चौक के पास इंडियन बिरयानी और फिरोज बिरयानी दुकानों पर 500-500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। लाखेनगर चौक स्थित चिराग प्लास्टिक दुकान पर गंदगी पाए जाने पर 5000 रुपये का जुर्माना किया गया। वहीं 7 ठेला संचालकों से कुल 2800 रुपये का जुर्माना वसूला गया। यह कार्रवाई निगम आयुक्त के निर्देश पर स्वास्थ्य अधिकारी और जोन कमिश्नर के मार्गदर्शन में की गई। अधिकारियों ने सभी दुकानदारों को स्वच्छता बनाए रखने की सख्त चेतावनी दी है।

निगम में 04 कर्मचारियों की हुई अनुकम्पा नियुक्ति

कोरबा(ए.)। नगर पालिक निगम कोरबा में 04 कर्मचारियों की अनुकम्पा नियुक्ति की गई है, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने इन सभी नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया, उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये उन्हें पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। नगर पालिक निगम कोरबा के 04 दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है, की गई नियुक्ति के अनुसार श्रीमती संगीता श्रीवास्तव को सहायक ग्रेड-3 के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति दी गई है, तो वहीं अमरजीत राठौर को स्वच्छता पर्यवेक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति प्राप्त हुई है। इसी प्रकार श्रीमती शशि माली एवं श्रीमती मनीषा बिंझवार को भृत्य के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है। आज आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने इन सभी नवनियुक्त कर्मचारियों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान किया तथा उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी।

खेल समाचार

फीफा वर्ल्ड कपः अमेरिका ने धमाकेदार जीत के साथ किया आगाज, पराग्वे को एकतरफा मुकाबले में 4-1 से हराया

नई दिल्ली(आरएनएस)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सह-मेजबान अमेरिका ने टूर्नामेंट का आगाज धमाकेदार जीत के साथ किया है। एकतरफा मुकाबले में अमेरिका ने पराग्वे को 4-1 से शिकस्त दी।अमेरिका की ओर से फोलारिन बालोगुन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए। अमेरिका की टीम पूरे मैच में हावी नजर आई और पराग्वे को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। अमेरिका के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही। मुकाबले के सातवें मिनट में ही अमेरिका ने 1-0 की बढ़त बना बना ली। डेमियन बोबाडिला ने पराग्वे के डिफेंस को भेदते हुए बेहतरीन गोल दागा।मैच के 31वें मिनट में फोलारिन बालोगुन ने अमेरिका की बढ़त को दोगुना कर दिया। फोलारिन की शानदार स्किल्स के सामने पराग्वे का डिफेंस पूरी तरह से बेबस दिखाई दिया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में फोलारिन का एक बार फिर दमदार खेल देखने को मिला और उन्होंने अमेरिका को मुकाबले में 3-0 से आगे कर दिया। पहले हाफ में ही अमेरिका की जीत लगभग पक्की हो गई।हालांकि, दूसरे हाफ में पराग्वे ने आक्रामक खेल दिखाया और वापसी करने का प्रयास किया। टीम को मैच के 73वें मिनट में सफलता हाथ लगी। पराग्वे के सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मॉरीसियो ने पराग्वे के लिए मैच में पहला गोल दागा। इसके बाद अमेरिका ने अपने खेल में आक्रामता बढ़ाई और पराग्वे के डिफेंस पर लगातार दबाव डाला। काफी प्रयास करने के बावजूद भी पराग्वे की टीम को गोल करने में सफलता हाथ नहीं लगी।

निर्धारित 90 मिनट के बाद स्टॉपेज टाइम में गियोवानी रेयना ने अमेरिका की बढ़त को 4-1 कर दिया। उन्होंने मैच की आखिरी सीटी बजने से ठीक पहले पराग्वे के डिफेंस को एक बार फिर भेदा और अमेरिका की दमदार जीत पर मुहर लगा दी। फोलारिन बालोगुन 1930 के बाद फीफा वर्ल्ड कप में दो गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बने। इस जीत के साथ ही अमेरिका ने टूर्नामेंट का आगाज शानदार अंदाज में किया है और टीम इस लय को आने वाले मुकाबले में भी बरकरार रखना चाहेगी।

बरेका में पहली बार होगा वर्ल्ड गोल्ड टूर्नामेंट

वाराणसी (ए.)। भारतीय रेल की अग्रणी उत्पादक इकाई बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) ने खेल क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। पहली बार प्रतिष्ठित डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन गोल्फ टूर्नामेंट-2026 का आयोजन बरेका के गोल्फ कोर्स में दिनांक 16 से 18 जून 2026 तक किया जाएगा। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के आयोजन से बरेका को देश के पेशेवर गोल्फ मानचित्र पर एक नई पहचान मिलेगी तथा वाराणसी खेल जगत के प्रमुख केंद्रों में शामिल होगा।

उत्कृष्ट प्राकृतिक एवं खेल परिवेश के कारण बरेका गोल्फ कोर्स को इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ है। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट का उद्देश्य देश के उभरते खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के लिए प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराना है। प्रतियोगिता की तैयारियों के अंतर्गत 13 जून 2026 को कोर्स सेटअप एवं अंतिम व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। 14 जून 2026 को प्रो एम इवेंट का आयोजन होगा, जिसमें बरेका के गोल्फरों एवं पेशेवर गोल्फरों की संयुक्त टीमों के मध्य 9-होल प्रतियोगिता सायंकाल 4 बजे आयोजित की जाएगी।

न्यूजीलैंड के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक', प्रधानमंत्री लक्सन ने दी विलियमसन को शानदार करियर पर बधाई

नई दिल्ली(आरएनएस)। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन ने शुक्रवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। विलियमसन के रिटायरमेंट पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने पोस्ट लिखते हुए उनकी जमकर तारीफ की।

प्रधानमंत्री ने विलियमसन को न्यूजीलैंड के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि केन विलियमसन को हमेशा न्यूजीलैंड के अब तक के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में गिना जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहचान सिर्फ उनकी बल्लेबाजी क्षमता या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने की वजह से नहीं है, बल्कि इसलिए भी है, क्योंकि उन्होंने पूरे करियर में जिस तरह का व्यवहार और अनुशासन दिखाया है, वह भी असाधारण है।

अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री ने विलियमसन को क्लास खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वे मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह एक आदर्श खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने लिखा कि केन विलियमसन एक ऐसे क्रिकेटर हैं जिनकी तकनीक, शांत स्वभाव और खेल के प्रति समझ उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि विलियमसन न्यूजीलैंड के बे ऑफ प्लेंटी क्षेत्र के एक साधारण परिवार से आते हैं, लेकिन अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक बहुत बड़ा नाम बनाया है। उन्होंने कहा कि यह सफर इस बात का उदाहरण है कि लगन और अनुशासन से कोई भी खिलाड़ी दुनिया के सबसे बड़े स्तर तक पहुंच सकता है।

प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने केन विलियमसन को उनके शानदार करियर के लिए बधाई दी।

फीफा वर्ल्ड कप : ब्राजील को झटका, मोरक्को के खिलाफ नहीं खेलेंगे नेमार; पूरे ग्रुप स्टेज में सिलेक्शन के लिए नहीं हो पाएंगे उपलब्ध

न्यू जर्सी(आरएनएस)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में मोरक्को के खिलाफ होने वाले अपने पहले मुकाबले में ब्राजील फुटबॉल टीम स्टार खिलाड़ी नेमार के बिना खेलेगी। टीम के कोच कार्लो एंसेलोटी के अनुसार, पिंडली की चोट से उबर रहे नेमार पूरे ग्रुप स्टेज में शायद सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। कतर में हुए फीफा वर्ल्ड कप 2022 में सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाली मोरक्को टीम के खिलाफ मुकाबले से पहले कोच एंसेलोटी ने कहा कि नेमार में सुधार हो रहा है, लेकिन वह अभी वापसी के लिए तैयार नहीं हैं। एंसेलोटी ने कहा, वह जल्द से जल्द फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि वह अगले हफ्ते पूरी ट्रेनिंग पर लौट पाएंगे।

मोरक्को से पहले मैच में भिड़ने के बाद ब्राजील का ग्रुप एफ में 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड से सामना होना है, हालांकि कोच ने किसी भी मैच के लिए नेमार के उपलब्ध होने की गारंटी नहीं दी। 34 साल के सैंटोस स्ट्राइकर शुक्रवार को फिर से ट्रेनिंग से गायब नजर आए। नेमार चोट के कारण पनामा और मिस्र के खिलाफ ब्राजील के वार्म अप मैच भी नहीं खेल पाए थे।

उनकी फिटनेस को लेकर चिंताओं के बावजूद एंसेलोटी ने बताया कि उन्होंने इस अनुभवी खिलाड़ी को अपनी वर्ल्ड कप टीम में क्यों शामिल किया। उन्होंने कहा, वह हमारी टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा उदाहरण हो सकते हैं। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी का मानना है कि नेमार सिर्फ अपने खेल से ही नहीं, बल्कि अपने अनुभव और नेतृत्व से भी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। एंसेलोटी ने कहा कि नेमार का अनुभव टीम को रिकॉर्ड छठा वर्ल्ड कप खिताब जीतने की कोशिश में काफी मदद कर सकता है।

फीफा विश्वकप 2026 : इंग्लैंड टीम का सामान चोरी होने से सुरक्षा इंतजामों की पोल खुली

कंसास सिटी (ए.)। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में शुरु हुए फीफा विश्वकप फुटबॉल मुकाबलों की शुरुआत में ही कमजोर सुरक्षा इंतजामों की पोल खुल गयी है। यहां अमेरिका की कंसास सिटी में अभ्यास सत्र के दौरान ही इंग्लैंड फुटबॉल टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के खिलाड़ियों के जूते और जर्सियां चोरी हो गईं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना तब हुई जब खिलाड़ियों का सामान फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच से मिसूरी में स्वोप सॉकर विलेज बेस की ओर एक वैन में ले जाया जा रहा था। तभी चोरों ने वैन को निशाना बनाया और टीम कई सामान गायब कर दिये।

वहीं टीम मैनेजमेंट अब इस बात को लेकर परेशान है किखिलाड़ियों के पास आने वाले मैचों और अभ्यास सत्रों के लिए पर्याप्त उपकरण हैं या नहीं। वैन में सिर्फ एक फुटबॉल बची थी, जबकि बाकी सभी चीजें, जिनमें टीम के स्टार खिलाड़ी हैरी केन और जूड बेलिंगहम जैसे दिग्गजों के विशेष मैच जूते भी शामिल थे, गायब थे। ऐसे में टीम के लिए अचानक नए उपकरण लेना और खिलाड़ियों को उनसे सहज महसूस कराना एक बड़ी चुनौती होगी। इंग्लैंड का पहला मैच क्रोएशिया के खिलाफ होना है, और तैयारी के अंतिम चरण में हुई इस चोरी से टीम की रणनीति पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। विदेशी धरती पर विश्व कप अभियान की शुरुआत से पहले इस तरह की घटना से खिलाड़ियों की मानसिक भी प्रभावित होती है। खिलाड़ियों ने अपनी सुविधा और प्रदर्शन के अनुरूप अपने प्रशिक्षण उपकरण रखे थे। वहीं अब एकदम से बदले हुए सामान से खेलना उनके लिए काफी कठिन रहेगा। इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर विपरीत प्रभाव भी पड़ सकता है। विश्व कप जैसे वैश्विक आयोजन की सुरक्षा में लगी सेंध से सभी हैरान हैं। है। यह घटना टूर्नामेंट की सुरक्षा योजना और मेजबान देश की व्यवस्था पर एक बड़ा सवाल भी उठाती है। वहीं द फुटबॉल एसोसिएशन (एफए) ने इस घटना को लेकर स्थानीय पुलिस से संपर्क किया है। है और जल्द से जल्द खिलाड़ियों के किट तथा अन्य चोरी हुए सामान को बरामद करने को कहा है। अब देखना है कि इस घटना से उबरने के लिए इंग्लैंड किस प्रकार के कदम उठाती है।

वैभव सूर्यवंशी को श्रीसंत की सलाह, चमक-दमक से दूर रहकर सिर्फ क्रिकेट पर दें ध्यान

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी जल्द ही पहली बार सीनियर स्तर पर भारतीय जर्सी में खेलते नजर आ सकते हैं। अंडर-19 क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है और अब उनसे आयरलैंड, इंग्लैंड तथा एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद की जा रही है। फिलहाल वैभव इंडिया ए टीम का हिस्सा हैं और विभिन्न मुकाबलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। श्रीलंका ए के खिलाफ वह बड़ी पारी नहीं खेल सके, लेकिन अफगानिस्तान ए के विरुद्ध उन्होंने प्रभावशाली बल्लेबाजी कर अपनी क्षमता का परिचय दिया। इस बीच भारत के पूर्व तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत ने युवा बल्लेबाज को क्रिकेट के साथ-साथ करियर के शुरुआती दौर में आने वाली चुनौतियों को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी है। उनका मानना है कि कम उम्र में मिली लोकप्रियता और सफलता के बीच वैभव को अपने लक्ष्य से भटकने नहीं देना चाहिए। श्रीसंत ने कहा कि युवा खिलाड़ी को पूरी तरह अपने खेल पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए और व्यावसायिक तथा अन्य बाहरी मामलों को परिवार के जिम्मे छोड़ देना चाहिए। एक मीडिया बातचीत के दौरान श्रीसंत ने वैभव को संबोधित करते हुए कहा कि वह पेशेवर प्रबंधकों और एजेंटों के प्रभाव से बचें तथा अपना पूरा ध्यान क्रिकेट पर लगाएं। उनके अनुसार परिवार और पिता इन सभी बाहरी जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में सफलता मिलने के बाद अक्सर कई लोग युवा खिलाड़ियों के आसपास सक्रिय हो जाते हैं, लेकिन ऐसे समय में संतुलन बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है।

उन्नत एवं आधुनिक कृषि यंत्रों को बढ़ावा देकर कृषि को बनाएं लाभ का व्यवसाय : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

कस्टम हायरिंग सेंटर से सुगमता से प्राप्त हो कृषि यंत्र संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करे

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रतिवर्ती हल, सबसॉइलर, स्ट्रॉ रीपर, रोटावेटर, ग्रेडर मशीन, स्प्रेयर सहित विभिन्न उन्नत कृषि यंत्रों का अवलोकन किया तथा उनके उपयोग एवं कार्यप्रणाली की विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि किसान कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से आधुनिक एवं उन्नत कृषि यंत्रों का उपयोग कर कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाएं। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से कृषि कार्य कम समय में आसानी से संपादित किए जा सकते हैं तथा नरवाई प्रबंधन में भी प्रभावी सहायता मिलती है। कलेक्टर ने किसानों से चर्चा करते हुए नरवाई जलाने की गलत प्रथा को हतोत्साहित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर नरवाई मुक्त ग्राम की दिशा में कार्य करना चाहिए, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ भूमि की उर्वरता भी बनी रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने माखननगर स्थित स्ट्रॉ सप्लाई चैन हाईटेक हब के स्ट्रॉ कलेक्शन सेंटर में चल रहे नरवाई कलेक्शन कार्यों का भी अवलोकन किया।

उन्होंने संचालक भूपेंद्र राजपूत से चर्चा कर नरवाई प्रबंधन की तकनीकों की जानकारी ली। संचालक द्वारा बताया गया कि बेलर मशीन के माध्यम से खेतों से नरवाई एकत्रित कर उसकी बेल्स तैयार की जाती हैं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि जिले में अधिक से अधिक क्षेत्रफल को कवर करते हुए आधुनिक कृषि यंत्रों एवं बेलर मशीनों का उपयोग कर प्रभावी नरवाई प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए।

नगर परिषद सोहागपुर में जनकल्याण शिविर आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के विशेष अभियान अंतर्गत नगर परिषद सोहागपुर के मंगल भवन में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करते हुए स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। जनकल्याण शिविर में हितग्राहियों के आवेदन, पंजीयन, स्वीकृति एवं लाभ वितरण की समस्त कार्यवाही एक ही स्थान पर संपन्न की गई। साथ ही नागरिकों की जन शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों के निराकरण पर भी विशेष ध्यान दिया गया, जिससे आमजन को त्वरित राहत मिल सके।

डॉ निगम के गीतों में व्यंग्य के साथ गंभीर चिंतन और गजब का संतुलन है- पं भवानी शंकर शर्मा

ये सारी उम्र गई मित्रों के नाम' डॉ विनोद निगम के तृतीय पुण्य स्मरण समारोह में जुटे साहित्यकार

सप्तक मित्र समूह व नर्मदा शिक्षा समिति के संयोजन में हुआ पुण्य स्मरण प्रसंग

नर्मदापुरम (निप्र)। डॉ विनोद निगम के गीतों में व्यंग्य के साथ गंभीर चिंतन और गजब का संतुलन है। देश में जो कुछ होता था उसे अपने गीतों के माध्यम से सरल शब्दों में व्यक्त करते थे। चलो चाय पी जाए कहने में सरल है लेकिन उसके भावार्थ में एक चिंतन झलकता है। चाहे अन्ना आंदोलन हो या कोई भी विशेष विषय हो उनके अंदाजे बंया कुछ हटकर ही रहता था। यथा नाम तथा गुण डॉ विनोद निगम हास्य भी अच्छा करते थे। उनका सखा भाव अलग ही था। यही कारण है कि आज के युग में उनके इतने सारे मित्र उनके पुण्य स्मरण में शामिल होते हैं। यह बात पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पं भवानी शंकर शर्मा ने पं रामलाल शर्मा स्कूल एनईएस कालेज के सभागार समारोह में देश के प्रसिद्ध नवगीतकार डॉ विनोद निगम की तृतीय पुण्य स्मरण ये सारी उम्र गई मित्रों के नाम' कार्यक्रम में व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सप्तक मित्र समूह व यहां के साहित्यकारों के द्वारा इस प्रकार डॉ निगम की याद में कार्यक्रम किया जाना प्रेरणादायी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी राकेश फौजदार ने कहा कि उनके गीत सुनना उनके पास बैठना बहुत अच्छा लगता था। वह मन के गीत लिखते थे। उनकी शब्दावली में बहुत आकर्षण था। उनकी शैली बहुत अच्छी थी। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश उपाध्याय ने डॉ निगम को एक अच्छा मित्र बताते हुए उनके गीत का पाठ करते हुए कहा कि महाकाव्य हम बन न सके रह गए सिर्फ मुक्तक, हमारी चर्चा होगी ज्यादा से ज्यादा कल तक। नर्मदा महाविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार डॉ कृष्ण गोपाल मिश्र एवं अशोक जमनानी ने डॉ निगम के सखा भाव पर केंद्रित अपने विचार व्यक्त किए। प्रख्यात् कवि नारायण श्रीवास्तव ने डॉ निगम के काव्य पक्ष को रेखांकित करते हुए उनकी रचना का पाठ किया। वरिष्ठ पत्रकार राकेश दीवान ने डॉ निगम के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ निगम की कविता पढ़कर सुनाई। समारोह का संचालन सूत्रधार डॉ हंसा ने किया। कार्यक्रम में सहभागी सप्तक मित्र समूह के सुरेश उपाध्याय, रमेश गर्गव, गोपीकांत घोष, राजकिशोर दीक्षित, खेमचंद्र यादवेश व कमलेश सक्सेना, का विशेष सहयोग रहा।इस मौके पर डॉ विनोद निगम के गीतों का संगीतमय गायन राम परसाई, रितु कुलश्रेष्ठ, आनंद नामदेव एवं साथियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में एमए हिन्दी गृहविज्ञान महाविद्यालय की छात्रा स्मिता पाल का स्वर्ण पदक व प्रमाण पत्र से सम्मान किया गया। इस अवसर पर डॉ निगम के परिजन प्रियजन मित्रगण, के साथ ही रघुराज सिंह, पूर्व विधायक गिरजाशंकर शर्मा, संतोष व्यास, वरिष्ठ अधिवक्ता एसएस ठाकुर, नमन तिवारी, आशा उपाध्याय, रश्मि दीक्षित, रामराज सिंह ठाकुर, महेश मूलचंदानी, रामसेवक शर्मा, डॉ हरिओम दीक्षित, पत्रकार बलराम शर्मा, तुकाराम यादवेश सहित अनेक लोग शामिल रहे। आभार प्रदर्शन संजय गार्गव ने कविता के साथ किया।

डॉ.मयंक तोमर को पितृशोक

नर्मदापुरम (निप्र)। गिन्नी कंपाउंड कॉलोनी में डॉ. मयंक तोमर को पितृशोक, उनके पिता जयसिंह तोमर को कार्डियक अरेस्ट हुआ जिसके चलते उनका स्वर्गवास हो गया, जय सिंह तोमर एक सेवानिवृत्त कृषि अधिकारी और वरिष्ठ भाजपा नेत्री श्रीमती प्रेमलता तोमर के पति थे।

जिले में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध प्रशासन की सख्त कार्यवाही जारी

अवैध उत्खनन में संलिप्त वाहन जप्त, शासकीय भूमि पर संग्रहित रेत भी की गई जब्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सख्त कार्यवाही निरंतर जारी है। खनिज विभाग, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अवैध उत्खनन में संलिप्त व्यक्तियों पर जुर्माना अधिरोपित किया जा रहा है तथा संबंधित वाहनों को जप्त कर नियमानुसार दंडात्मक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में ग्राम रायपुर तहसील नर्मदापुरम में रेत का अवैध उत्खनन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त किया गया। जप्त वाहन को पुलिस थाना देहात में अभिरक्षा में रखा गया है। वहीं ग्राम आंचलखेड़ा तहसील माखननगर स्थित तवा पुल के पास रेत के अवैध उत्खनन की शिकायत पर राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण एवं निगरानी रखकर कार्रवाई की जा रही है। उक्त क्षेत्र से डंपर क्रमांक MP04HE5029 को जप्त कर नियमानुसार कार्यवाही की गई थी। खनिज विभाग के दल द्वारा क्षेत्र का निरीक्षण भी किया गया।खनिज अमले द्वारा तवा पुल के समीप नदी क्षेत्र में रेत परिवहन हेतु बनाए गए संभावित अस्थायी मार्गों को भी ध्वस्त कर दिया गया है।

विकासखंड सोहागपुर में कार्यशाला आयोजित कर दी गई पर्यावरण संरक्षण की जानकारी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र के विस्तार हेतु संचालित नवांकुर अभियान के अंतर्गत संदीपनी विद्यालय, सोहागपुर में सीड बॉल निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सोहागपुर सुश्री प्रियंका भलावी, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक राकेश रघुवंशी, विद्यालय के प्राचार्य रामकिशोर दुबे, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यशाला के दौरान सभी प्रतिभागियों के सामूहिक प्रयास से 250 से अधिक सीड बॉल तैयार किए गए। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण के महत्व, जैव विविधता संवर्धन तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सुश्री प्रियंका भलावी ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने एवं हरित गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नवांकुर अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता एवं जन-सहभागिता का व्यापक अभियान है।

नवांकुर अभियान के तहत बनखेड़ी में स्वसहायता समूह की महिलाओं ने बनाए सीड बॉल

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम के मार्गदर्शन में जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र के विस्तार हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद पंचायत बनखेड़ी अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों द्वारा बड़े पैमाने पर सीड बॉल निर्माण का कार्य किया जा रहा है। जनपद पंचायत बनखेड़ी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रीना कुमारिया के कुशल मार्गदर्शन में विगत एक सप्ताह से क्षेत्र में निरंतर सीड बॉल निर्माण कार्य संचालित किया जा रहा है। जनपद पंचायत बनखेड़ी का सीड बॉल निर्माण लक्ष्य 2650 निर्धारित किया गया है। ग्राम पंचायत बाचावानी में आदिवासी आजीविका सहायता समूह एवं श्री गणेश आजीविका सहायता समूह की महिलाओं द्वारा लगभग 200 सीड बॉल तैयार किए गए हैं। सीड बॉल निर्माण में मिट्टी, खाद तथा नीम एवं इमली के बीजों का मिश्रण उपयोग में लाया जा रहा है।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कृषि एवं संबद्ध विभागों की प्रगति की समीक्षा की

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कृषि एवं अन्य संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों एवं वर्तमान प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देशित किया कि फार्मर रजिस्ट्री के अंतर्गत अधिक से अधिक किसानों की फार्म रजिस्ट्रेशन आईडी तैयार की जाए। उन्होंने सभी अनुविभागों में इस कार्य की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए।जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने हेतु अब तक की गई कार्यवाहियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने किसानों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुपरसीडर के उपयोग को प्रोत्साहित करने तथा जिले में बेलर मशीनों की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया।

नरवाई जलाने पर प्रशासन की सख्त कार्यवाही

तहसील माखननगर में 03 कृषकों पर लगाया गया जुर्माना

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं पर सतत निगरानी रखते हुए सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में तहसील माखननगर अंतर्गत मूंग का डंठल कचरा (नरवाई) जलाने वाले 03 किसानों पर जुर्माना अधिरोपित किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम आंचलखेड़ा के 03 कृषकों द्वारा मूंग की नरवाई जलाए जाने पर एसडीएम नर्मदापुरम द्वारा प्रत्येक कृषक पर 2500-2500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। प्रशासन द्वारा संबंधित कृषकों की जानकारी एकत्रित कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही नरवाई प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों एवं वैकल्पिक उपायों की जानकारी भी किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है। कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के मैदानी अमले द्वारा फील्ड स्तर पर सतत निगरानी रखी जा रही है, ताकि नरवाई जलाने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे नरवाई न जलाएं तथा पर्यावरण संरक्षण एवं भूमि की उर्वरता बनाए रखने हेतु नरवाई प्रबंधन के वैकल्पिक उपाय अपनाएं।

गायत्री शक्ति पीठ नर्मदापुरम में गायत्री जयंती एवं योग दिवस कार्यक्रमों को लेकर बैठक संपन्न

गायत्री शक्ति पीठ में 23 जून को प्रातः 6 बजे से होगा 24 घंटे का अखंड जाप

नर्मदापुरम (निप्र)। स्थानीय गायत्री शक्ति पीठ, नर्मदापुरम में आगामी गायत्री जयंती और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने हेतु एक विशेष बैठक संपन्न हुई। यह बैठक अखिल विश्व गायत्री परिवार के मध्य प्रदेश जोन के सह-समन्वयक एवं गायत्री शक्ति पीठ के व्यवस्थापक श्री रामचंद्र गायकवाड़ तथा जिला समन्वयक अनुराग मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि गायत्री जयंती के शुभ अवसर पर 23 जून 2026 को प्रात: 6 बजे से 24 घंटे का अखंड गायत्री मंत्र जाप प्रारंभ किया जाएगा। इसके पश्चात, 24 जून 2026 को गायत्री जयंती के मुख्य पर्व पर 5 कुण्डीय भव्य गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु आहुति देंगे।

इसके साथ ही, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के वैश्विक अवसर को उत्साहपूर्वक मनाने का संकल्प लिया गया। इस दिन गायत्री शक्ति पीठ परिसर में सभी गायत्री परिजन और नगरवासी एकत्रित होकर सामूहिक योग व प्राणायाम करेंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में व्यवस्थापक रामचंद्र गायकवाड़ जिला समन्वयक अनुराग मिश्रा के साथ गायत्री परिवार के सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से ओमप्रकाश गौर, बसंत मलैया, श्रीमती अनीता जाट, श्रीमती सोनू राजपूत, शिव कुमार विश्वकर्मा, चंद्रमोहन गौर, रामअवतार चौर, तुलसीराम बाबरिया, एन डी सराठे, केशव मांगरोल, रामकुमार सोनी, राममोहन परसाई, कृष्णा कुमार उपाध्याय, एम पी गौर, रामकुमार गौर, अशोक यादव एवं मुकेश राजपूत शामिल थे।

गायत्री परिवार ने नगर के सभी श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमियों से अनुरोध किया है कि वे इन आध्यात्मिक एवं स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रमों में उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

जनपद पंचायत नर्मदापुरम में जनकल्याण शिविर का द्वितीय दिवस सम्पन्न

विभिन्न विभागों द्वारा आमजन को दी गई योजनाओं की जानकारी, 1177 आवेदन हुए दर्ज

नर्मदापुरम (निप्र)। जनपद पंचायत नर्मदापुरम में आयोजित तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का द्वितीय दिवस सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर का आयोजन 12 जून, 13 जून एवं 15 जून 2026 को किया जा रहा है। शिविर के प्रथम एवं द्वितीय दिवस में विभिन्न विभागों द्वारा आमजन को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए हितग्राहीमूलक योजनाओं के आवेदन प्राप्त किए गए। ब्लॉक समन्वयक रामकुमार गौर ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित हितग्राहीमूलक योजनाओं के आवेदन लगातार प्राप्त हो रहे हैं। अब तक कुल 1177 आवेदन पोर्टल पर दर्ज किए जा चुके हैं। प्राप्त आवेदनों के निराकरण एवं पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करने की कार्यवाही विभागीय स्तर पर की जा रही है। उन्होंने बताया कि जनकल्याण शिविर का अंतिम दिवस 15 जून 2026 को आयोजित किया जाएगा, जिसमें आने वाले आवेदनों का पंजीयन किया जाएगा तथा विभिन्न विभागों द्वारा जनहितकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की जाएगी। शिविर में बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित होकर विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं एवं योजनाओं का लाभ लेने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता एसएस पटेल जिला अधिवक्ता संघ चुनाव के मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त

अधिवक्ता संघ के चुनाव के लिये आवश्यक बैठक 15 जून को

नर्मदापुरम। जिला अधिवक्ता संघ नर्मदापुरम के आगामी चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिले के वरिष्ठ अधिवक्ताओं की टीम ने सर्वसम्मति से वरिष्ठ अधिवक्ता एसएस पटैल को जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव हेतु मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर अधिवक्ता समुदाय ने विश्वास व्यक्त करते हुए आशा जताई कि उनके मार्गदर्शन में चुनाव प्रक्रिया सफलतापूर्वक एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न होगी।मुख्य चुनाव अधिकारी एसएस पटैल ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला अधिवक्ता संघ के आगामी चुनाव की तैयारियों एवं चुनाव कार्यक्रम को लेकर 15 जून 2026 को दोपहर 2 बजे जिला अधिवक्ता संघ के सभागार में एक आवश्यक बैठक आयोजित की जा रही है। इस बैठक में चुनाव प्रक्रिया, मतदाता सूची, नामांकन, मतदान एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से विचार विमर्श किया जाएगा तथा चुनाव के संबंध में अधिवक्ताओं के सुझाव भी आमंत्रित किए जाएंगे। चुनाव की तिथि को लेकर भी निर्णय लिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि अधिवक्ता संघ लोकतांत्रिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण संस्थान है और इसके चुनाव संगठन की मजबूती तथा अधिवक्ताओं के हितों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए सभी अधिवक्ताओं की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। बैठक में चुनाव संबंधी विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर आगामी कार्ययोजना निर्धारित की जाएगी। श्री पटैल ने जिला अधिवक्ता संघ के सभी सदस्यों का आव्हान करते हुए कहा कि वे निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान करें तथा चुनाव प्रक्रिया को सफल एवं सौहार्दपूर्ण बनाने में सहयोग दें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अधिवक्ताओं के सहयोग से संघ के चुनाव लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी वातावरण में संपन्न होंगे।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व 14 जून को होगा योगाभ्यास कार्यक्रम

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने का किया जाएगा प्रयास

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत सरकार आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली एवं संचालनालय आयुष मध्यप्रदेश, भोपाल के दिशा-निर्देशन तथा कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार नर्मदापुरम जिले में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व 14 जून 2026, रविवार को प्रात: 6:15 बजे से 7:35 बजे तक दो स्तरों पर योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत नेहरू पार्क, नर्मदापुरम में सामूहिक ऑनलाइन योगाभ्यास सत्र आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में सहभागिता के लिए प्रतिभागियों को पूर्व में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना आवश्यक होगा।इसके साथ ही प्रात: 6:15 बजे से 7:35 बजे तक घर से ही ऑनलाइन माध्यम से विशेष योग सत्र आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के माध्यम से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को योग से जोड़ते हुए स्वस्थ, जागरूक एवं निरोग समाज का निर्माण करना है। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. नीरज सिंह यादव ने बताया कि ऑनलाइन सत्र से जुड़ने के लिए प्रतिभागियों को अपने WhatsApp नंबर से टोल फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देना होगा।

श्रवण एवं वाक् बाधित समुदाय के लिए राज्यव्यापी जागरूकता अभियान अनुगूंज का आयोजन

कार्यक्रम में संकेत वाणी एप्लीकेशन एवं दिव्यांगजन हितैषी योजनाओं की दी गई जानकारी

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा की उपस्थिति में शुक्रवार को श्रवण एवं वाक् बाधित समुदाय के सदस्यों के लिए अनुगूंज शीर्षक से राज्यव्यापी जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का वर्चुअल शुभारंभ प्रात: 10:30 बजे मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक द्वारा जबलपुर से किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन नर्मदा बधिर संस्था के अध्यक्ष दीपक राय के माध्यम से किया गया, जिसमें श्रवण एवं वाक् बाधित समुदाय के सदस्य, दिव्यांगजन के लिए कार्य करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधि, सांकेतिक भाषा दुभाषिए तथा अन्य हितधारकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में दिव्यांगजन आयुक्त अजय खेमारिया ने मध्यप्रदेश शासन द्वारा दिव्यांगजन के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com